

इंदौर की गौरवशाली परम्परा के अनुरूप रातभर निकला नयनाभिराम झांकियाँ और अखाड़ों का कारवां

अखाड़ों में चंद्रपाल उस्ताद व्यायामशाला एवं श्री बिंदा गुरु व्यायाम शाला को मिला प्रथम स्थान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर की गौरवशाली परम्परा के रूप में अनन्त चतुर्दशी चल समारोह पूर्ण श्रद्धा, आस्था एवं अपार उत्साह-उमंग और व्यापक जनभागीदारी के साथ सम्पन्न हुआ। नागरिकों ने इस उत्सव के प्रति अपनी सक्रिय सहभागिता निभाते हुये शहर की परम्परा को अपार उत्साह और उमंग के साथ आगे बढ़ाया। रातभर जोश और उल्लास के साथ चल समारोह में निकली नयनाभिराम झांकियों और अखाड़ों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने हजारों लोगों का मन मोह लिया। जिला प्रशासन द्वारा गठित झाँकी तथा अखाड़ा निर्णायक समितियों द्वारा पुरस्कार के लिये सर्वसम्मति से श्रेष्ठ झांकियों और अखाड़ों का चयन किया गया। झाँकी में राजकुमार मिल की भगवान विष्णु और असुर मधु कैटभ युद्ध झांकी को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इसी तरह अखाड़ों में चंद्रपाल उस्ताद व्यायामशाला और श्री बिंदगुरु व्यायामशाला को प्रथम स्थान मिला। इसी तरह महिला वर्ग का प्रथम पुरस्कार श्री रामनाथ गुरु व्यायामशाला को दिया गया।

क्लेक्टर श्री शिवम वर्मा ने चल समारोह सुचारु रूप से सम्पन्न होने पर इंदौर के नागरिकों, व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों, झाँकी आयोजकों और अखाड़ों के सदस्यों तथा मीडियाकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप परम्परागत खेलों और सांस्कृतिक तथा धार्मिक उत्सवों को बढ़ावा देने के लिये जिला प्रशासन की ओर से आकर्षक नगद पुरस्कार देने की घोषणा भी की।

झाँकी निर्णायक समिति द्वारा अनुशंसित निर्णय

प्रथम पुरस्कार- राजकुमार मिल- (भगवान विष्णु और असुर मधु कैटभ युद्ध)

द्वितीय पुरस्कार- मालवा मिल- (मछली जल की रानी) और हुकुमचंद मिल- (भगवान गणेश द्वारा सिंदुरासुर राक्षस का वध)

तृतीय पुरस्कार- कल्याण मिल- (भारतीय नारी की शक्ति, समर्थ्य और योगदान) और स्वदेशी मिल- (माँ जगदम्बा

द्वारा शुभ और निशुंभ नामक राक्षसों का वध)

विशेष पुरस्कार- होप टेक्सटाइल मिल- (भगवान शिव की बारात)

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी परम्परा के निर्वहन में दिये जा रहे मिलो के महत्वपूर्ण योगदान के मद्देनजर पुरस्कार चयन में केवल मिलो की झांकियों को ही शामिल किया गया था।

अखाड़ों के पुरस्कार

चल समारोह में अखाड़ों तथा व्यायाम शालाओं के युवाओं द्वारा हैरत अंगेज प्रदर्शन तथा करतब दिखाये गये। शस्त्र कला की विधा को अखाड़ों तथा व्यायामशालाओं के कलाकारों ने इतनी विविधताओं तथा बारीकियों के साथ प्रस्तुत किया कि दर्शक देखते रह गये। निर्णायक समिति ने इस बार दो विधाओं गतका फरी तथा दो हाथ की बनेटी वर्ग में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतियों के आधार पर अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कार के लिये अखाड़ों का चयन किया। अखाड़ा निर्णायक समिति द्वारा इन प्रस्तुतियों की उत्कृष्टता के आधार पर निम्नानुसार निर्णय अनुशंसित किये गये हैं।

गतका फरी वर्ग

प्रथम - चंद्रपाल उस्ताद

व्यायामशाला

द्वितीय - ब्रजलाल गुरु व्यायामशाला

शंकरगंज

तृतीय - महावीर व्यायामशाला

विशेष - छोगालाल उस्ताद व्यायाम शाला तथा महावर कोली समाज व्यायामशाला महावर नगर

दो हाथ की बनेटी वर्ग

प्रथम - श्री बिंदगुरु व्यायामशाला

द्वितीय - सार्वजनिक रविदास व्यायामशाला

तृतीय - बाबूसिंह उस्ताद

व्यायामशाला नादिया नगर

विशेष - स्वर्गीय श्री प्रमोद हाडिया व्यायामशाला तथा सार्वजनिक अहिरवार समाज चैतन्य व्यायामशाला

महिला वर्ग

प्रथम - श्री रामनाथ गुरु व्यायामशाला

द्वितीय - श्री दास हनुमान व्यायामशाला दास बगीची

तृतीय - पंचमुखी गुरु अखाड़ा हवा बंगला

बालक वर्ग

प्रथम - वीर राजपूत (श्री लोधी पंच व्यायामशाला)

द्वितीय - भूमिक यादव (मार्तण्डराव व्यायामशाला)

कर्मियों की हड़ताल के चलते पहली बार रविवार को खुले रहेंगे बैंक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अगर बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम है तो उसे जल्द निपटा लें, क्योंकि यूनाइटेड फ्लेम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने 28 सितंबर सोमवार से देशव्यापी बैंक हड़ताल रखी है। इसके चलते इंदौर जिले की 853 ब्रांच में बैंकिंग सेवाएं अगले तीन दिनों तक ठप रहेगी। मगर बैंक मुख्यालयों ने शाहकों को थोड़ी राहत जरूरी दी है। पहली बार रविवार को बैंक खुले रहेंगे, जिसमें सामान्य दिनों की तरफ कामकाज किया जाएगा। इस दौरान बैंकों ने एटीएम में कैश रिफिल करने के निर्देश दिए हैं। ताकि अगले तीन दिन शाहकों को नगद राशि के लिए परेशान न हो पड़ा। उधर 28 से 30 सितंबर तक ब्रांच में बैंकिंग सेवाएं बुरी तरह ठप रहेगी। इसके चलते जिले में 800 से 1000 करोड़ का लेन-देन प्रभावित होने का अनुमान लगाया जा रहा है। यूएफबीयू के आह्वान पर तीन दिवसीय हड़ताल रखी गई है। इसका बड़ा मुद्दा सप्ताह में पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करना है। साथ ही बैंक कर्मचारी और अधिकारी पेंशन योजना व बैंक पेंशनरों के लिए महंगाई भत्ते की गणना का एक समान नियम लागू करने की मांग रखी है। सरकार और बैंक प्रबंधन ने हड़ताल टालने के लिए काफी प्रयास किया, क्योंकि शनिवार-रविवार को छुट्टी और तीन दिनी हड़ताल के चलते लगातार पांच दिन बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेगी। इसे शाहकों को परेशानी होगी, लेकिन अभी तक बैंककर्मिी संगठन ने हड़ताल स्थगित करने को लेकर कोई फैसला नहीं लिया है। इसके चलते शनिवार को बैंक मुख्यालयों ने रविवार को ब्रांच खुली रखने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में शाहकों को एएमएस और वाट्सअप पर संदेश भेजे गए हैं। यूएफबीयू के संयोजक मोहनकृष्ण शुक्ला का कहना है कि हड़ताल में दो हजार से ज्यादा बैंककर्मिी शामिल होंगे। ये आगामी पेंशानी- हड़ताल का सबसे सीधा असर बैंक की ब्रांच में होने वाले काम पर पड़ेगा।

इसके चलते शनिवार को बैंक मुख्यालयों ने रविवार को ब्रांच खुली रखने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में शाहकों को एएमएस और वाट्सअप पर संदेश भेजे गए हैं। यूएफबीयू के संयोजक मोहनकृष्ण शुक्ला का कहना है कि हड़ताल में दो हजार से ज्यादा बैंककर्मिी शामिल होंगे। ये आगामी पेंशानी- हड़ताल का सबसे सीधा असर बैंक की ब्रांच में होने वाले काम पर पड़ेगा।

इसके चलते शनिवार को बैंक मुख्यालयों ने रविवार को ब्रांच खुली रखने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में शाहकों को एएमएस और वाट्सअप पर संदेश भेजे गए हैं। यूएफबीयू के संयोजक मोहनकृष्ण शुक्ला का कहना है कि हड़ताल में दो हजार से ज्यादा बैंककर्मिी शामिल होंगे। ये आगामी पेंशानी- हड़ताल का सबसे सीधा असर बैंक की ब्रांच में होने वाले काम पर पड़ेगा।

9 दिनों की भूख हड़ताल के बाद झुका प्रशासन, प्रहलाद पांडे ने खत्म किया अनशन, हटेंगे अवैध होर्डिंग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के रीगल तिराहे पर अवैध बैनर, पोस्टर और होर्डिंग के खिलाफ पिछले नौ दिनों से चल रहा प्रह्लाद पांडे का अनशन आखिरकार गुरुवार को समाप्त हो गया। नगर निगम और जिला प्रशासन की ओर से अवैध होर्डिंग हटाने को लेकर लिखित आश्वासन मिलने के बाद पांडे ने अपना सत्याग्रह खत्म किया। इस दौरान मौके पर मौजूद



अधिकारियों और उनके शुभचिंतकों ने उन्हें नारियल पानी पिलाकर अनशन तुड़वाया।

नगर निगम और जिला प्रशासन से मिला लिखित आश्वासन- प्रह्लाद

पांडे ने बताया कि बुधवार रात नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारी उनसे मिलने पहुंचे थे। अधिकारियों ने शहर में अब तक की गई कार्रवाई के फोटो और वीडियो भी साझा किए। इसके साथ ही, मारमत्ता चौराहा, बाणगंगा चौराहा और महु नाका चौराहे पर लगे अवैध होर्डिंग को जल्द हटाने का औपचारिक आश्वासन दिया और इसके लिए एक निश्चित समय-सीमा भी तय की।



चौराहा और महु नाका चौराहे पर लगे अवैध होर्डिंग को जल्द हटाने का औपचारिक आश्वासन दिया और इसके लिए एक निश्चित समय-सीमा भी तय की।

इंदौर में त्योहार, जुलूस और सार्वजनिक कार्यक्रमों में चमकीली पन्नियां और ग्लिटर उड़ाने पर लगा बैन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में त्योहार, जुलूस व सार्वजनिक आयोजनों में चमकीली पन्नियां नहीं उड़ाई जा सकेंगी। आयोजन में ग्लिटर या माइलर के उपयोग पर जिला प्रशासन ने प्रतिबंध लगाया है। क्लेक्टर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा सहिता 2023 की धारा 163 के तहत जन सामान्य के स्वास्थ्य के हित एवं लोक शांति बनाए रखने हेतु आदेश जारी किया है। आदेश 22 नवंबर 2026 तक प्रभावशील रहेगा। इसका उल्लंघन करने वालों

के विरुद्ध बीएनएस 2023 की धारा- 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी। संस्था सरोकार ने प्रशासन से आग्रह किया है कि इस वर्ष हुई कम वर्षा को देखते हुए शहर भर में गणेश पंडाल लगाने वालों से अपने समीप के किसी सार्वजनिक बगीचे में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाने की अनिवार्यता सुनिश्चित की जाए। इस संबंध में महापौर को भी संदेश भेजा गया है। इसके लिए संभागायुक्त से भी संपर्क किया जाएगा। संस्था का कहना है कि इस नवाचार से शहर को आगामी गर्मियों में संभावित जलसंकट से बचाया जा सकेगा। संस्था के संयोजक राम मूंदड़ा व अशोक डागा ने कहा कि सभी

सेवा संकल्प अभियान को लेकर महिला मोर्चा की संयुक्त बैठक, ‘आंगन उत्सव मिलन’ की तैयारियों को दिया अंतिम रूप



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा, समर्पण और जनभागीदारी के संकल्प के साथ चल रहे सेवा संकल्प अभियान को लेकर शुक्रवार को भाजपा कार्यालय, इंदौर में भाजपा इंदौर महानगर एवं ग्रामीण महिला मोर्चा की संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक में अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित ‘आंगन उत्सव मिलन’ कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई और कार्यक्रम को प्रभावी एवं व्यापक जनभागीदारी के साथ आयोजित करने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में महिला मोर्चा की संभाग प्रभारी वंदना जी, भाजपा इंदौर महानगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, भाजपा इंदौर ग्रामीण अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा, नगर महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रेष्ठ जोशी एवं जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष किरण सूर्यवंशी सहित महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। बैठक के दौरान जिला महामंत्री महिला मोर्चा हेमलता डागर, माधुरी जायसवाल, रीता उपमन्यू एवं रीना सतीश मालवीय सहित अन्य पदाधिकारियों ने आगामी कार्यक्रम को लेकर अपने सुझाव रखे। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, महिला सहभागिता और जनसंपर्क से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

पदाधिकारियों ने कहा कि ‘आंगन उत्सव मिलन’ के माध्यम से महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए महिला मोर्चा की पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को आवश्यक जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं।

छप्पन भोग व महाअरती के बाद गणेश प्रतिमा का विसर्जन

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ठकुर मोहल्ला गणेश मंडल द्वारा गणेश उत्सव का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। उत्सव के समापन अवसर पर भगवान गणेश को छप्पन भोग अर्पित कर विधि-विधान से महाअरती की गई। इसके पश्चात श्रद्धालु भक्तिमय माहौल में गणेश प्रतिमा को विसर्जन के लिए लिम्बोदा पर स्थित चंबल नदी ले गए, जहां विधि-विधान के साथ प्रतिमा का विसर्जन किया गया।

मेरे सपनों का भारत’ की कल्पना रंगों में हुई साकार

सेवाचित्र प्रदर्शनी में दिखी विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित ‘मेरे सपनों का भारत’ विषयक चित्रकला प्रतियोगिता के चयनित उत्कृष्ट चित्रों की जिला स्तरीय ‘सेवाचित्र’ प्रदर्शनी आज सांदीपनि शासकीय अहिल्याश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ऋमांक-1 पोलोग्राउंड इंदौर के ऑडिटोरियम में आयोजित हुई। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपने सपनों के भारत की कल्पना को रंगों और रेखाओं के माध्यम से अत्यंत सुंदर एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट थे। इस अवसर पर सांसद श्री शंकर



लालवानी, विधायक श्री महेंद्र हाडिया तथा श्री रमेश मेंदोला, श्री दीपक जैन तथा श्री सुमित मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षाविद्, विद्यालयों के प्रतिनिधि, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रदर्शनी में इंदौर जिले के शासकीय, अशासकीय एवं सीबीएसई विद्यालयों के

विद्यार्थियों द्वारा ‘मेरे सपनों का भारत’ विषय पर बनाए गए चयनित उत्कृष्ट चित्र प्रदर्शित किए गए। चित्रों में विद्यार्थियों ने विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत, स्वच्छ एवं हरित भारत, आधुनिक शिक्षा, विज्ञान एवं तकनीक, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास तथा सामाजिक समरसता सहित विभिन्न विषयों को रचनात्मकता के साथ उकेरा।

‘सेवाचित्र’ प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाओं और देश के प्रति आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान किया। प्रदर्शनी में आए अतिथियों एवं नागरिकों ने विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा और उनके द्वारा प्रस्तुत विचारों की सराहना की। कार्यक्रम में 250 विद्यार्थी भी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम जिला शिक्षा अधिकारी श्री शौर्य मल्होत्रा एवं जिला नोडल अधिकारी सुश्री सुनयना शर्मा के संयोजन में हुआ।

इंदौर से सिंगरौली और रीवा सहित अन्य शहरों के लिए चलेंगी सरकारी नियंत्रण वाली लजरी बसें



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मप्र में राज्य परिवहन मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर लि. (एमपीआरटीसी) की तर्ज पर शुरू हो रही मुख्यमंत्री परिवहन सेवा का दायरा अब बढ़ने जा रहा है। सिटी बसों के ट्रायल के बाद अब इंदौर से प्रदेश के 27 दूरस्थ शहरों के लिए इंटर-सिटी बसों के संचालन की तैयारी पूरी हो चुकी है। इंदौर के 27 मार्गों पर बसें अभी शुरुआती दौर में चलाई जाना है। मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने इसके लिए 40 इंटर-सिटी मार्ग और स्कौम का प्रकाशन कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 सितंबर को मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव सरकारी बस सेवा की शुरुआत हरी झंडी दिखाकर करेंगे। पूरा नियंत्रण सरकारी कंपनी के हाथ में होगा- अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (एआईसीटीएसएल) बसों का संचालन पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर कर रही है। इस स्कौम में बसें प्राइवेट ऑपरेटर की होगी, लेकिन उनका परमिट, समय-सारणी, किराया निर्धारण और पूरा नियंत्रण सरकारी कंपनी के हाथ में होगा। इससे यात्रियों से मनमाना किराया वसूलने और बसों के अवैध संचालन पर पूरी तरह रोक लगेगी। पहले चरण में प्रमुख शहरों के लिए बस सेवाएं शुरू होगी, जिसके लिए अपरेटरों से प्रस्ताव मांगे गए थे, जो प्राप्त हो चुके

बसों का संचालन किया जाता रहा है। अब मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के अधीन आ गई है, जिसमें करीब 300 से ज्यादा सिटी बसें तो चलेंगी ही साथ ही इंदौर-उज्जैन से लेकर सभी प्रमुख मार्गों के अलावा अंतरराज्यीय मार्गों पर ये बसें चलेंगी। इंदौर से सिंगरौली सबसे लंबा मार्ग- इस सेवा के तहत इंदौर से सिंगरौली (889 किमी) का मार्ग सबसे लंबा होगा, जबकि खंडवा से रतलाम (263 किमी) सबसे छोटा मार्ग रहेगा। इसके जरिए यात्री महज 12 से 14 घंटे में इंदौर से प्रदेश के सुदूर जिलों तक पहुंच सकेंगे। सरकार ने पीक आवर्स को ध्यान में रखकर सर्वे किया है, ताकि जरूरत के समय ज्यादा बसें उपलब्ध कराई जा सकें।

बसों की श्रेणियां और क्षमता- यात्रियों की सुविधा और बजट के अनुसार छह अलग-अलग श्रेणियों की बसें चलाई जाएंगी। परिवहन विभाग का ‘किराया बोर्ड’% इनका किराया तय कर चुका है, जो सामान्य बसों के लिए न्यूनतम होगा।

शहरवासी इस बार हुई कम वर्षा से अत्यंत चिंतित हैं। इसके दुष्प्रभाव आने वाली गर्मियों में देखने को मिलेंगे। इसलिए किसी नवाचार को प्रभावी करना होगा।

निगम द्वारा रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने की अपील भी बेअसर साबित हुई है। ऐसे में सार्वजनिक जीवन में काम करने वाली संस्थाओं पर यह जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। यदि कोई संस्था सहयोग नहीं करे तो आगामी नवरात्र में उसे पंडाल की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

भाजपा की संभागीय बैठक, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने दिया जीत का मंत्र

कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के दुश्चक्रा का करारा जवाब दें कार्यकर्ता-सुरेश आर्य

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने शनिवार को जिला मुख्यालय मंदसौर स्थित शुभकामना रिसॉर्ट में 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर आयोजित मंदसौर संभाग की संभागीय बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, भाजपा संभाग प्रभारी सुरेश आर्य, प्रभारी मंत्री निर्मला भूरिया, कैबिनेट मंत्री चैतन्य कश्यप, नीमच भाजपा जिला संगठन प्रभारी सुभाष पटेल मंचासीन रहे। संभागीय बैठक को मार्गदर्शित करते हुए मध्यप्रदेश के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा कि हमें 'सेवा संकल्प अभियान 2026' के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग को सेवा और जनभागीदारी से जोड़ते हुए सामाजिक समरसता एवं संगठन के सेवा भाव को और मजबूत करना है। अभियान के सभी कार्यक्रमों में समाज के हर वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित करने के साथ कार्यकर्ता अभ्यासी समन्वय और प्रभावी कार्ययोजना के साथ जुटें। भाजपा के लिए सत्ता सेवा का माध्यम है। कार्यकर्ता जन-जन से निरंतर संपर्क और संवाद बनाए रखते हुए समाज की आवश्यकताओं को समझें और उनके समाधान



की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएं। श्री जामवाल ने कहा कि भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। कार्यकर्ता लाभार्थी परिवारों से निरंतर संपर्क बनाए रखें और उनकी समस्याओं को समझकर समाधान की दिशा में सहयोग करें। जनता को जनार्दन मानकर उसके बीच रहना और आवश्यकताओं को समझना संगठन की कार्यपद्धति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बैठक में मंदसौर संभाग के संगठन प्रभारी सुरेश आर्य ने सर्वप्रथम क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल का विस्तृत परिचय देकर सदन को अवगत कराया और कहा कि आज देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास

के मार्ग पर तीव्र गति से दौड़ रहा है। ऐसी स्थिति में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल निरंतर देश में अराजकता का माहौल बनाते हुए नई-नई चुनौतियां पेश कर रहे हैं और देश के युवा वर्ग और जनता जनार्दन के मन में भ्रम पैदा कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में हमारे प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों द्वारा फैलाए जा रहे झूठ के पुलिंदों का डटकर जवाब देना चाहिए। हमारी कार्यणाली अपने दायित्व के अनुसार संगठन को लाभ पहुंचाए और जनता के बीच हमारी छवि एक भाजपा के अनुशासित कार्यकर्ता के रूप में दिखाई देना चाहिए। मैं मंदसौर, रतलाम और नीमच जिले के तीनों भाजपा जिला अध्यक्षों से निवेदन करूंगा कि संत रविदास जी की 650वीं जन्म जयंती एवं सेवा संकल्प अभियान की जिले की गतिविधियों से बैठक में उपस्थित समस्त वरिष्ठ जनों एवं पदाधिकारी को अवगत कराएं। बैठक में नीमच भाजपा जिला अध्यक्ष वंदना खंडेलवाल, रतलाम भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, मंदसौर

भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने अपने-अपने जिले में संपन्न हुए संगठनात्मक कार्यों की जानकारी प्रदान की। बैठक में कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त बाबूलाल बंजारा, जिलाध्यक्षगण राजेश दीक्षित, प्रदीप उपाध्याय, वंदना खंडेलवाल, विधायकगण हरदीपसिंह डंग, चंद्रसिंह सिसोदिया, ओमप्रकाश सकलेचा, दिलीपसिंह परिहार, माधव मारु, राजेन्द्र पाण्डे, चिंतामणी मालवीय, मथुरालाल डामर, मंदसौर, रतलाम, नीमच के जिला भाजपा संगठन प्रभारी दिलीप सकलेचा, विवेक जोशी, सुभाष पटेल, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसोदिया, मंदसौर जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार, रतलाम जिला पंचायत अध्यक्ष लाला भाई चंद्रवंशी, मंदसौर नगर पालिका अध्यक्ष रमा देवी गुर्जर, नीमच नगर पालिका अध्यक्ष स्वाती चोपड़ा, जनपद अध्यक्ष मंदसौर बसंत शर्मा, नीमच शारदा बाई धनगर, मंदसौर संभाग के भाजपा जिला पदाधिकारीगण, नगर परिषद अध्यक्ष/उपाध्यक्षगण, सेवा संकल्प अभियान की जिला टोली के संयोजकगण, सदस्यगण सहित अपेक्षित श्रेणी के जनप्रतिनिधिगण एवं पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक का संचालन नीमच भाजपा जिला संगठन प्रभारी सुभाष पटेल ने किया एवं आभार भाजपा जिलाध्यक्ष मंदसौर राजेश दीक्षित ने माना।

हर आंगनवाड़ी केंद्र बनेगा पोषण, शिक्षा और सम्मान का केंद्र : विधायक श्री परिहार

आंगनवाड़ी बच्चों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण केंद्र - सीईओ श्री वैष्णव

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत शनिवार को वार्ड क्रमांक-6, इंदिरा नगर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों को बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास का प्रभावी केंद्र बनाने के साथ ही समुदाय की सहभागिता को बढ़ावा देना रहा।



गर्भवती एवं धात्री माताओं के स्वास्थ्य एवं पोषण की देखभाल में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। विधायक श्री परिहार ने कहा कि वर्ष 2047 के विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत की नींव आज की पीढ़ी से तैयार हो रही है। बच्चों के जीवन के प्रारंभिक वर्षों में उनके स्वास्थ्य, पोषण एवं शिक्षा पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा बेटियों, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण तथा महिला सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मातृशक्ति की सहभागिता बढ़ाने के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 'आंगन

मिलन सेवा' के अंतर्गत तीन दिनों तक जिले के विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों में विविध गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसमें बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, प्रारंभिक शिक्षा एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता से संबंधित गतिविधियां शामिल हैं। उन्होंने 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले स्वच्छता पखवाड़े की भी जानकारी दी।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अमन वैष्णव ने कहा कि राज्य शासन की मंशा है कि प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों को बेहतर पोषण, स्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि बच्चों के जीवन के प्रथम छह वर्ष उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इस अवधि में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत 616 विद्यालयों के 20 हजार विद्यार्थियों ने लिया भाग, उत्कृष्ट प्रतिभाओं को किया सम्मानित



रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय रतलाम में आयोजित जिला स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता में जिले की उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का विषय 'मेरे सपनों का भारत' था। इसमें जिले के 616 विद्यालयों के लगभग 20 हजार विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में 12 विद्यार्थियों ने भाषण प्रस्तुत किए तथा 250 चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई।

सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री श्री चैतन्य काश्यप ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता बच्चों के ज्ञान को बढ़ाने, देश में हुए बदलावों पर चिंतन करने तथा भविष्य के लिए स्वयं को तैयार करने का माध्यम है। बच्चों ने अपनी कल्पनाओं और भावों को चित्रों के माध्यम से सुंदर रूप में प्रस्तुत किया है। सभी चित्र प्रतियोगिता की थीम के अनुरूप प्रदर्शित किए गए हैं। मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। देश में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है तथा 'मेक इन इंडिया' के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं का निर्माण देश में ही करने पर कार्य किया जा रहा है। सरकार हर क्षेत्र में देश को आगे बढ़ाने और चुनौतियों को अवसरों में बदलने के लिए कार्य कर रही है।

स्वास्थ्य विभाग के कार्य असंतोषजनक, सीएमएचओ तत्काल प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें : कलेक्टर



रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत कलेक्टर श्री अजय कटेसरिया ने सेलाना में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जनजातीय कार्य विभाग के सांदीपनि विद्यालय एवं शासकीय कन्या शिक्षा परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत सुश्री वैशाली जैन सहित संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर जताई नाराजगी-सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कटेसरिया ने स्वास्थ्य विभाग के कार्यों पर असंतोष व्यक्त करते हुए सीएमएचओ को तत्काल प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य

सेवाओं में सुधार के लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी सक्रियता से कार्य करें। कार्यप्रणाली में सुधार नहीं होने पर राज्य शासन को प्रतिवेदन भेजकर कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर ने एंटी वेनम स्टॉक, ओपीडी, वैक्सीन रूम, टीकाकरण सब सेंटर एवं एएनसी रजिस्ट्रेशन की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं की जवाबदेही निर्धारित करने तथा हार्ड रिस्क प्रेगनेंसी के मामलों की नियमित निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं का पंजीयन समय पर हो तथा उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं एवं उपचार उपलब्ध कराया जाए। विद्यालयों में कक्षाओं के संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित करें- सांदीपनि विद्यालय के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि नवीन सांदीपनि विद्यालय में शिफ्टिंग के पश्चात पुराने सांदीपनि विद्यालय भवन का उपयोग सुनिश्चित किया जाए। ऐसे चार-पांच विद्यालय, जिनके पास स्वयं के भवन उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें पुराने सांदीपनि विद्यालय में शिफ्ट कर वहां कक्षाओं का संचालन किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को नियमित एवं सुचारु शैक्षणिक सुविधा मिल सके।

झाड़ियों में फंसे 8 फीट लंबे अजगर को निकालने के लिए बुलाई JCB

डिप्टी रेंजर दायमा की सूझबूझ से सुरक्षित रेस्क्यू, जंगल में छोड़ा

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वन्यजीवों के संरक्षण और मैदानी स्तर पर त्वरित रिसॉन्स को लेकर रतनगढ़ वन विभाग की टीम लगातार सक्रिय भूमिका निभा रही है।

शनिवार, 26 सितंबर को क्षेत्र के ग्राम नारदा के पास एक खेत में करीब 8 फीट लंबा भारी-भरकम अजगर निकलने से हड़कंप मच गया।

सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्राधिकारी (डिप्टी रेंजर) श्री बापुलाल दायमा अपनी रेस्क्यू टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने अपनी प्रशासनिक सूझबूझ का परिचय देते हुए न सिर्फ ग्रामीणों को सुरक्षित किया, बल्कि वन्यजीव का भी पूरी तरह सुरक्षित रेस्क्यू संपन्न कराया।घनी झाड़ियों के कारण आ रही थी



दिक्कत, JCB से बनवाया रास्ताजानकारी के अनुसार ग्राम नारदा वन समिति के अध्यक्ष करण सिंह (पिता छान सिंह) के खेत की मेड़

पर स्थित कैंटीली झाड़ियों (झुमरी) में यह विशालकाय अजगर छिपा हुआ था। झाड़ियाँ इतनी घनी थीं कि वनकर्मियों के लिए सीधे हाथ डालना बेहद जोखिम भरा और जानलेवा हो सकता था। इस पर डिप्टी रेंजर श्री दायमा ने तुरंत स्थानीय स्तर पर निर्णय लेते हुए ग्राम निवासी लालसिंह जी की जेसीबी मशीन को मौके पर बुलवाया। जेसीबी की मदद से सावधानीपूर्वक रास्ता साफ कराया गया, जिसके बाद टीम ने सुरक्षित तरीके से अजगर को काबू में कर लिया।वरिष्ठ अधिकारियों की मॉनिटरिंग, स्वस्थ हालत में जंगल में किया आजादचय पूरा ऑपरेशन वनमण्डलाधिकारी श्री एस.के. अटोदे एवं उपवनमण्डलाधिकारी श्रीमती सरोज रोज के कुशल मार्गदर्शन में संचालित हुआ। रेस्क्यू के बाद अजगर का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वह पूरी तरह

स्वस्थ पाया गया, जिसके बाद टीम ने उसे रतनगढ़ परिक्षेत्र के घने और सुरक्षित वन क्षेत्र में ले जाकर आजाद कर दिया। अजगर के पकड़े जाने के बाद किसानों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

सराहनीय जनसुरक्षा और कर्तव्यनिष्ठा की ग्रामीणों ने की तारीफ- खेतों के बीच इस बड़े रेस्क्यू ऑपरेशन को बिना किसी नुकसान के पूरा करने पर ग्राम वन समिति अध्यक्ष करण सिंह सहित स्थानीय ग्रामीणों ने डिप्टी रेंजर बापुलाल दायमा की त्वरित कार्यप्रणाली की जमकर सराहना की। इस सफल रेस्क्यू टीम में श्री दायमा के साथ तरुण बोरीवाल (कार्यवाहक वनपाल व बीट प्रभारी नारदा), मदन धनगर (वनरक्षक), कालूसिंह निनामा (वनरक्षक) और दुलीचंद (सुरक्षा श्रमिक) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

‘मेरे सपनों का भारत’ में विद्यार्थियों ने रंगों से उकेरी विकसित भारत की कल्पना

युवा पीढ़ी के सपनों में भारत का उज्ज्वल भविष्य - विधायक श्री सकलेचा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को दशहरा मैदान स्थित टाउन हॉल, नीमच में किया गया। जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए रंगों और चित्रों के माध्यम से विकसित, आत्मनिर्भर एवं समृद्ध भारत की अपनी कल्पना को अभिव्यक्त किया।

कार्यक्रम में जावद विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार, मनासा विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारु, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जन सिंह चौहान, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चोपड़ा, जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना खंडेलवाल तथा जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहे।



जावद विधायक श्री ओमप्रकाश सकलेचा ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से ज्ञान अर्जित कर रही है तथा भारत के भविष्य को लेकर नए सपने देख रही है। इन विद्यार्थियों में देश के सपनों को साकार करने की पूरी क्षमता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने विचारों और सपनों को साझा करने तथा उन्हें साकार करने के लिए निरंतर प्रयास



करने का आह्वान किया।

नीमच विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि 'मेरे सपनों का भारत' जैसी गतिविधियां विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाओं और विचारों को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान करती हैं। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चित्र विकसित भारत को लेकर उनकी सोच और रचनात्मकता को दर्शाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में

सहभागिता के लिए बधाई दी।

मनासा विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारु ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से नई पीढ़ी को विकसित भारत की संकल्पना से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित, आत्मनिर्भर एवं वैभवशाली राष्ट्र बनाने में युवा पीढ़ी की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को

शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक वंदे मातरम् गायन से हुआ। इसके बाद मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन किया गया। अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चित्रों का अवलोकन कर उनकी रचनात्मक प्रतिभा की सराहना की।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री अरुण सोलंकी ने किया तथा आभार सहायक संचालक श्री एस.एम. मंगरिया ने व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती ऐश्वर्या मुंदा, श्री हेमंत हरित, शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

बच्चों ने प्रदर्शित की विकसित एवं सशक्त भारत की तस्वीर



अतिथियों द्वारा अवलोकन करते हुए की गई। इस अवसर पर महिला बाल विकास मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, सांसद राजेश बंशीलाल गुर्जर, संगठन महामंत्री अजय जामवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा विजय पाटीदार, उपाध्यक्ष मनु प्रिया यादव, विधायक श चंद्रसिंह सिसोदिया, सुरेश आर्य, जिला योजना समिति सदस्य राजेश दीक्षित, पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, मदन लाल राठौर, अरविंद साखवत, विजय सुराणा, प्रियंका गिरी गोस्वामी, सुनील जैन, विनय दुबेला, कलेक्टर दिव्यांक सिंह, अपर कलेक्टर एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टीएस बघेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग सुश्री अंकिता पंड्या, एसडीएम शुभम पाटीदार, सीएसपी जितेंद्र भास्कर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर के द्विवेदी, जिला शिक्षा अधिकारी पंकज जाट आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजन सराहनीय है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा संपूर्ण विश्व की ईसांनियत और प्रकृति के लिए कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा स्पर्धा प्रतिभागी विद्यार्थियों को पुरस्कर्त किया गया।

पेयजल संरक्षण के लिए कम पानी वाली फसलें लगाएं, जल संरक्षण में सभी की सामूहिक भागीदारी जरूरी : कलेक्टर

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत शनिवार को मंडी प्रांगण सेलाना में जनसंवाद, जनसुनवाई एवं उद्यमी संवाद आयोजित किया गया। कलेक्टर श्री अजय कटेसरिया, जिला अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने आम नागरिकों की समस्याएं मौके पर सुनीं तथा उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जनसुनवाई में ड़ोन सर्वे के पश्चात नामांतरण नहीं होने, पांच वर्ष बीतने के बाद भी अनुकंपा नियुक्ति नहीं मिलने, आधार कार्ड में त्रुटि सुधार, मकान का पट्टा, नल-जल योजना, प्रधानमंत्री आवास सहित विभिन्न समस्याएं नागरिकों द्वारा प्रस्तुत की गईं।

शिविर में कलेक्टर श्री कटेसरिया ने नागरिकों से विनम्र अपील की कि पेयजल संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रशासन को रतलाम शहर, सेलाना नगर परिषद सहित जिले के प्रत्येक गांव में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करनी है। यह कार्य सभी के सहयोग एवं सामुदायिक सहभागिता से ही संभव है। उन्होंने कहा कि विशेषकर तालाबों के किनारे स्थित गांवों एवं खेतों में किसान ऐसी फसलें लगाएं, जिन्हें तैयार करने में कम से कम पानी की आवश्यकता हो। जल संरक्षण के लिए यह सामूहिक प्रयास आने वाले समय में सभी के लिए लाभकारी होगा।

सम्पादकीय पितृपक्ष-पितरों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और स्मरण का पर्व

भारतीय संस्कृति में परिवार, परंपरा और पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता का विशेष महत्व रहा है। हमारी जीवन-व्यवस्था केवल वर्तमान पीढ़ी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें उन लोगों की स्मृतियां और संस्कार भी जुड़े हैं, जिनसे हमें जीवन, परिवार, परंपरा और संस्कार प्राप्त हुए। इसी भाव को अभिव्यक्त करने वाला महत्वपूर्ण पर्व है-पितृपक्ष। इसे श्राद्ध पक्ष या श्राद्ध पर्व भी कहा जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार भाद्रपद पूर्णिमा के बाद आने वाली कृष्ण पक्ष की तिथियों में पितरों का स्मरण, तर्पण और श्राद्ध किया जाता है। यह समय सामान्यतः सोलह दिनों का माना जाता है।

पितृपक्ष का धार्मिक महत्व- भारतीय धार्मिक मान्यताओं में मनुष्य के जीवन में देवऋषि, ऋषिऋषा और पितृऋषा का उल्लेख मिलता है। पितृऋषा का अर्थ उन पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता से है, जिनके कारण परिवार और वंश की निरंतरता बनी रहती है। पितृपक्ष इसी ऋषा को स्वीकार करने और अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा प्रकट करने का अवसर माना जाता है।

‘श्राद्ध’ शब्द ‘श्रद्धा’ से जुड़ा हुआ माना जाता है। इसका मूल भाव दिखावा नहीं, बल्कि श्रद्धा, स्मरण और कृतज्ञता है। इस दौरान परिवार अपने दिवंगत माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी तथा अन्य पूर्वजों को याद करता है और उनके नाम से धार्मिक कर्म करता है।

पितरों का स्मरण क्यों- मनुष्य अपने जीवन में बहुत कुछ स्वयं अर्जित करता है, लेकिन उसकी जड़ें उसके परिवार और समाज में होती हैं। माता-पिता हमें जन्म देते हैं, संस्कार देते हैं और जीवन की कठिन परिस्थितियों में हमारा मार्गदर्शन करते हैं। उनसे पहले की पीढ़ियां भी परिवार की सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाती हैं।

इसलिए पितृपक्ष हमें यह याद दिलाता है कि हमारी पहचान केवल हमारे वर्तमान से नहीं, बल्कि हमारे अतीत से भी निर्मित होती है। पूर्वजों का स्मरण हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है। आधुनिक जीवन की तेज गति में जब परिवारों के बीच दूरी बढ़ रही है, तब पितृपक्ष जैसे अवसर पारिवारिक स्मृतियों को जीवित रखने का माध्यम बन सकते हैं।

तर्पण और श्राद्ध की परंपरा- पितृपक्ष में तर्पण, पिंडदान, श्राद्ध और दान जैसी परंपराएं प्रचलित हैं। कई परिवार अपने पूर्वजों की मृत्यु-तिथि के अनुसार श्राद्ध करते हैं। कुछ स्थानों पर पितृपक्ष की अमावस्या को विशेष महत्व दिया जाता है, जिसे सर्वपितृ अमावस्या कहा जाता है।

तर्पण में जल अर्पित करके पितरों का स्मरण किया जाता है। पिंडदान और अन्य कर्मकांडों के भी अलग-अलग धार्मिक विश्वास हैं। इन परंपराओं के पीछे मुख्य भावना अपने दिवंगत परिजनों के प्रति सम्मान और श्रद्धा व्यक्त करना है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में पितृपक्ष मनाने की विधियों में कुछ अंतर दिखाई देता है।

कई विशेष पकवान बनाए जाते हैं, कहीं ब्राह्मण भोजन कराया जाता है, तो कहीं गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन तथा वस्त्र दान किए जाते हैं। इस प्रकार स्थानीय परंपराएं अलग होने के बावजूद मूल भावना पूर्वजों का स्मरण और सेवा बनी रहती है।

गया और पितृपक्ष- बिहार का गया क्षेत्र पितृश्राद्ध और पिंडदान के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है। धार्मिक परंपरा में गया में पिंडदान को महत्वपूर्ण माना गया है। पितृपक्ष के दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग यहां आकर अपने पूर्वजों के लिए श्राद्ध और पिंडदान करते हैं।

गया की यह परंपरा केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यहां आने वाले परिवार अपने पूर्वजों की स्मृतियों को लेकर धार्मिक अनुष्ठान करते हैं और अपने परिवार की पुरानी परंपराओं से जुड़ते हैं।

वैज्ञानिक और सामाजिक दृष्टि से विचार- पितृपक्ष की धार्मिक मान्यताओं को आस्था के संदर्भ में समझना चाहिए। इनके धार्मिक प्रभावों के बारे में अलग-अलग लोगों की अलग-अलग मान्यताएं हो सकती हैं। लेकिन इसके सामाजिक और मनोवैज्ञानिक महत्व को भी समझा जा सकता है।

किसी प्रिय व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसकी स्मृतियों को सम्मान देना मनुष्य की स्वाभाविक भावनात्मक आवश्यकता है। पितृपक्ष परिवार को एक साथ बैठकर अपने पूर्वजों को याद करने का अवसर देता है। पुरानी पीढ़ी बच्चों को परिवार के बुजुर्गों की कहानियां सुनाती है। इससे पारिवारिक इतिहास अगली पीढ़ी तक पहुंचता है।

इस दृष्टि से पितृपक्ष स्मृति और पीढ़ियों के बीच संवाद का पर्व भी कहा जा सकता है।

दान और सेवा का संदेश- पितृपक्ष में दान-पुण्य की परंपरा भी महत्वपूर्ण है। भोजन, वस्त्र और अन्य आवश्यक वस्तुओं का दान जरूरतमंद लोगों को किया जाता है। यदि इस परंपरा को व्यापक मानवीय दृष्टि से देखा जाए तो यह हमें बताती है कि अपने पूर्वजों को याद करने के साथ-साथ समाज के जरूरतमंद लोगों के प्रति संवेदनशील होना भी आवश्यक है।

किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराना, किसी जरूरतमंद को वस्त्र देना, किसी वृद्ध की सहायता करना या किसी असहाय व्यक्ति का सहारा बनना—ये सभी कार्य मानवता की भावना को मजबूत करते हैं।

क्षमा : आत्मशक्ति और सहजयोग का सहज मार्ग

सहजयोग में आत्मिक उन्नति के लिए अनेक गुणों का महत्व बताया गया है, लेकिन क्षमा भी एक अत्यंत विशेष है। श्री माताजी ने क्षमा को सबसे धर्म की पहली आवश्यक चीज बताते हुए कहा है कि मनुष्य के भीतर जितनी अधिक क्षमा करने की शक्ति होगी, वह उतना ही अधिक शक्तिशाली होगा।

हमारे जीवन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियाँ आती हैं जब किसी के शब्द, व्यवहार या कार्य से हमें दुःख पहुँचता है। हम उस घटना को बार-बार याद करते हैं और मन ही मन सोचते रहते हैं-किसने हमें क्या दुःख दिया, किसने हमारे साथ क्या गतत किया। इस प्रकार हमारा मन अतीत की घटनाओं में उलझा रहता है और भीतर अशांति बनी रहती है।

श्री माताजी हमें इसी स्थिति से बाहर निकलने का सहज मार्ग दिखाती हैं। वे कहती हैं कि बार-बार यह सोचने के बजाय कि किसने हमें क्या तकलीफ दी, हमें अपने भीतर यह भाव रखना चाहिए कि +हमें क्षमा करना है। क्षमा का अर्थ यह नहीं कि हम किसी गलत कार्य को सही मान लें। क्षमा का अर्थ है अपने मन को उस घटना के बंधन से मुक्त कर देना। जब हम किसी व्यक्ति को हृदय से क्षमा करते हैं, तब वास्तव में हम स्वयं को क्रोध, आक्रोश और मातसिक बोझ से मुक्त करते हैं।

श्री माताजी ने कहा है- कलियुग में क्षमा के सिवाय कोई भी बड़ा साधन नहीं है।

क्षमा हमारे भीतर एक ऐसी शक्ति को जागृत करती है जो हमें सहज, शांत और संतुलित बनाती है। जब हम किसी के प्रति शिकायत और द्वेष को छोड़ देते हैं, तब हमारे भीतर प्रेम और करुणा के लिए स्थान बनता है। श्री माताजी ने क्षमा के सहजयोग पर पड़ने वाले प्रभाव को भी अत्यंत सुंदर ढंग से हमझाया है। हर समय हम सोचते रहते हैं कि किसने क्या दुःख दिया, किसने क्या तकलीफ दी। उसकी जगह यह सोचना चाहिये कि हमें क्षमा करना है। उसको हमने क्षमा कर दिया और क्षमा करने से एकदम से आपको हैरानी होगी कि, आपकी कुण्डलिनी झट से ऊपर चढ़ जायेगी।+

अतः सहजयोगी के लिए क्षमा केवल एक नैतिक गुण नहीं, बल्कि आत्मिक विकास का एक महत्वपूर्ण साधन है। जब हम क्षमा करते हैं, तो हमारा ध्यान दूसरों की गलतियों से हटकर अपनी आत्मिक यात्रा की ओर लौटता है। क्षमा करने वाला व्यक्ति कमजोर नहीं होता। वास्तव में, क्षमा ही उसकी आंतरिक शक्ति का प्रमाण है। जब मन शिकायतों के बोझ से मुक्त होता है, तब आत्मा की शांति अधिक स्पष्ट रूप से अनुभव होने लगती है। क्षमा करें, स्वयं को मुक्त करें और सहजयोग की आत्मिक यात्रा में आगे बढ़ें।

बाढ़ आती है तो सिर्फ घर नहीं, पूरी जिंदगी बह जाती है। सूखा पड़ता है तो खेतों के साथ उम्मीदें दरकती हैं-

गमीं देह धुलुसना दे तो मजदूर के सामने सवाल होता है—रोटी कमाए या जान बचाए? भारत में मौसम अब विस्थापन का कारण बन चुका है। वह घर और रोजगार छीनकर लाखों लोगों को ठिकाना बदलने पर मजबूर कर रहा है। 2024 में आपदाओं ने करीब 54 लाख आंतरिक विस्थापन दर्ज किए—2012 के बाद सबसे ऊँचा आँकड़ा; करीब दो-तिहाई बाढ़ से जुड़े थे। 2025 में यह संख्या 6.72 लाख हुई, पर संकट नहीं थमा; भारत तब भी दुनिया के सर्वाधिक आपदा-विस्थापन वाले देशों में रहा। विडंबना है कि प्रकृति ने जिन्हें बेदखल किया, नीति ने उन्हें अब तक स्पष्ट पहचान नहीं दी।

यही हमारी नीति का बड़ा विरोधाभास है। जलवायु परिवर्तन पर मिशन है, आपदा प्रबंधन की संस्थाएँ और राहत-पुनर्वास के प्रावधान हैं—लेकिन ‘जलवायु प्रवासी’ की स्पष्ट नीति-श्रेणी नहीं। घर छोड़ने वाला आपदा-पीड़ित, शहर जाने वाला आर्थिक प्रवासी और खेत छोड़ने वाला ग्रामीण प्रवासी कहलाता है; पर दर्ज नहीं कि उसे घर से किसने निकाला—बदलता मौसम। सुंदरबन के द्वीप समुद्र और कटाव से सिकुड़ रहे हैं। घोरामाड़ा इसका उदाहरण है, जहाँ जमीन का गायब होना जीवन के आधार खिसकने का संकट है। सवाल शब्द का नहीं, जिम्मेदारी का है। नाम नहीं होगा तो योजना में जगह नहीं, योजना नहीं होगी तो बजट नहीं—और विस्थापित राहत की कतार में रहेगा।

भारत का प्रवास संकट विराट है। विभिन्न अध्ययनों

लालच और विस्तार को कोई अंत नहीं युद्ध समाधान नहीं

उन्माद मानव सभ्यता के इतिहास का सबसे त्रासद अध्याय रहा है, जहाँ शक्ति, प्रभुत्व और स्वार्थ की अंधी दौड़ में मनुष्य अपने ही अस्तित्व को दांव पर लगा देता है। जब राष्ट्रवाद की आग विवेक पर भारी पड़ती है, तब युद्ध केवल सीमाओं का संघर्ष नहीं रह जाता, वह मनुष्यता के मूल्यों का भी विध्वंस बन जाता है। युद्ध चाहे किसी भी काल में हुआ हो, उसका परिणाम सदैव एक-सा ही रहा है विनाश, पीड़ा व प्रक्षतापता। दो विश्व युद्धों की विभीषिका ने यह स्पष्ट कर दिया कि हिंसा से किसी भी समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है, बल्कि यह नई समस्याओं और घावों को जन्म देती है।

युद्ध के मैदान में केवल सैनिक ही नहीं मरते, बल्कि उनके साथ असंख्य निदोष नागरिक भी अपनी जान गंवाते हैं, जिनका उस संघर्ष से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता। उनके सपने, उनकी आशाएँ और उनका भविष्य सब कुछ एक पल में राख हो जाता है। जन कोई मर्तें अपने बेटे को खोती है, जब कोई बच्चा अपने पिता की लाश देखता है, तब राख की जीत का कोई अर्थ नहीं रह जाता, केवल एक गहरी शून्यता और असहनीय पीड़ा शेष रह जाती है। यही वह क्षण होता है जब मनुष्य को आत्माज्ञा का बोध होता है कि उसने क्या खो दिया और किस कीमत पर। युद्ध का वास्तविक चेहरा तब सामने आता है जब शहरों के खंडहर, जली हुई फसलें, उजड़े हुए घर और रोते हुए लोग उसकी गवाही देते हैं। आधुनिक समय में भी स्थिति कुछ अलग नहीं है, चाहे वह रूस-यूक्रेन का संघर्ष हो, इजरायल-फिलिस्तीन का विवाद हो या अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव हर जगह एक समान पीड़ा और विनाश का दृश्य देखने को मिलता है।

इन संघर्षों में सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों के निर्णयों का भार आम नागरिकों को उठाना पड़ता है, जो अपनी जान देकर उन महत्वाकांक्षाओं को पूरा करते हैं जिनसे उनका कोई लेना-देना नहीं होता। युद्ध केवल मानव जीवन को ही नहीं, बल्कि आर्थिक व्यवस्था को भी गहरे संकट में डाल देता है। उद्योग धंधे थप हो जाते हैं, महंगाई आसमान छूने लगती है, बेरोजगारी बढ़ती है और विकास की गति रुक जाती है। एक देश को वर्षों पीछे धकेल देने वाला यह विनाश केवल भौतिक नहीं होता, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी गहरा असर छोड़ता है। युद्ध के बाद बचता है तो केवल एक टूटा हुआ समाज, जिसमें अविश्वास, भय और असुरक्षा की भावना घर कर जाती है। यही कारण है कि इतिहास हमें बार-बार यह सिखाने का प्रयास करता है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि यह समस्याओं को और जटिल बना देता है। आत्मज्ञानी व्यक्ति और संवेदनशील समाज इस सत्य को समझते हैं कि शांति ही वह मार्ग है जो मानवता को आगे बढ़ा सकता है। युद्ध के बाद जब धूल बैठती है और लोग अपने खोए हुए प्रियजनों की याद में रोते हैं, तब उन्हें यह अहसास होता है कि उन्होंने क्या खोया है और क्या पाया है।

—संजीव गर्ग

में आंतरिक प्रवासियों की संख्या करीब 40 करोड़ आँकी गई है। इनमें बड़ी संख्या उस अनौपचारिक अर्थव्यवस्था की है, जो शहरों की इमारतें और सड़कें बनाती, सामान बेती, घर चलाती और खेतों में फसल उगाती है। सरकारी आँकड़ों के अनुसार करीब 90 प्रतिशत श्रमबल अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़ा है। मजदूरी पहले ही अस्थिर है; अब मौसम भी। गमीं बढ़ती है तो काम के घंटे घटते हैं, बीमारी बढ़ती है और आय गिरती है। रोज कमाने वाले मजदूर के लिए दो-चार दिन का काम छूटना महज नुकसान नहीं, चूल्हे पर सीधी चोट है। उसके लिए मौसम की मार आखि़कार रोटी की मार बन जाती है।

गमीं की असली मार थर्मामीटर में नहीं, मजदूर की जेब में दिखती है। 2026 में अप्रैल-मई के दौरान देश के कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहा; बांदा में 47.6 डिग्री और दिल्ली में 43-44 डिग्री तक पहुँचा। निर्माण मजदूर, ईंट-भट्ठे का श्रमिक, रिक्षा चालक और सड़क किनारे विक्रेता-इनके लिए ‘वर्क फ्रॉम होम’ विकल्प नहीं। धूप में निकलेंगे तभी चूल्हा जलेगा। गमीं दिन में ही नहीं मारती; गर्म रातें शरीर को तपिश से उबरने नहीं देतीं। अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण एवं विकास संस्थान के 2026 के एक अध्ययन के अनुसार, गमीं से अनौपचारिक श्रमिक साल में 15,२८4 दिन काम खो सकते हैं और आर्थिक नुकसान जीडीपी के करीब 2 प्रतिशत तक पहुँच सकता है। जलवायु संकट गरीब के शरीर और अर्थव्यवस्था, दोनों पर दर्ज हो रहा है।

नीति और हकीकत की खाई दिखती है, फिर भी भरती नहीं। 2025 में इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन

सेटलमेंट्स ने राष्ट्रीय, राज्य और शहर स्तर की 94 नीतियों व हस्तक्षेपों की समीक्षा की। पाया कि 73 में से 94 (करीब 78 प्रतिशत) हस्तक्षेप जलवायु के लिहाज से अंधे थे; जलवायु परिवर्तन, आपदा जोखिम और सामाजिक सुरक्षा को जोड़ने वाला अनुकूलनशील ढँचा कुछ ही पहलों में दिखा। राशन की पोर्टेबिलिटी में प्रगति हुई, लेकिन आवास, स्वास्थ्य, श्रम-सुरक्षा और कल्याण स्थान-आधारित हैं। शहरों को मजदूर चाहिए, परिवार की जिम्मेदारी नहीं। शहर उसकी मेहनत को स्थायी और मौजूदगी को अस्थायी मानता है। कैसी अर्थव्यवस्था है, जिसमें आदमी जरूरी है, मगर उसका अधिकार नहीं?

मणिपुर की कहानी अलग कारण से महत्वपूर्ण है। वहाँ विस्थापन जलवायु नहीं, हिंसा से हुआ; इसलिए इसे जलवायु प्रवास कहना गलत होगा। लेकिन यह दिखाता है कि लंबा विस्थापन नागरिक को कैसे ‘अस्थायी’ जीवन में स्थायी रूप से फँसा देता है। आंतरिक विस्थापन निगरानी केंद्र (आईडीएमसी) के अनुसार 2025 के अंत तक मणिपुर में करीब 78 हजार लोग अब भी आंतरिक विस्थापन में थे, जबकि हिंसा को दो साल से अधिक बीत चुके थे। यही चिंता जलवायु से विस्थापित परिवारों की भी है। गाँव छूटा तो अपने पराए हुए, शहर पहुँचे तो बाहरी ठहरे। महिलाएँ और बच्चे सबसे अधिक भुगतते हैं-पढ़ाई छूटती है, स्वास्थ्य सेवाएँ दूर होती हैं, आवास असुरक्षित होता है और परिवार की सामाजिक जड़ें उखड़ जाती हैं।

आँकड़े कई बार सच बताते नहीं, छिपा देते हैं। जनगणना में देरी और विभागों की अलग परिभाषाएँ

पितृ पक्ष 2026 -पितरों को तर्पण -मृत्यु के बाद भव्य श्राद्ध,पर जीते-जी बुजुर्गों व माता-पिता की उपेक्षा कयों?

वैश्विक स्तरपर भारत की हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता में माता-पिता,गुरु और पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता को केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं,बल्कि जीवन-मृत्यु माना गया है।इसी भावना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्वरूप है पितृ पक्ष,जिसमें मनुष्य अपने दिवंगत पूर्वजों को स्मरण कर उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करता है।वर्ष 2026 में तिथियों को लेकर 26 और 27 सितंबर का कुछ भ्रम दिखाई दे रहा है,किंतु मीडिया में आई पंचांग गणना के अनुसार 26 सितंबर 2026,शनिवार को भाद्रपद पूर्णिमा और पूर्णिमा श्राद्ध है,जबकि मुख्य पितृ पक्ष का आरंभ 27 सितंबर 2026, रविवार को प्रतिपदा श्राद्ध से होगा और 10 अक्टूबर 2026,शनिवार को सर्वपितृ अमावस्या के साथ इसका समापन होगा।पूर्णिमा श्राद्ध 26 सितंबर को पितृ पक्ष से ठीक पहले पड़ता है।प्रतिपदा तिथि 26 सितंबर की रात प्रारंभ होने के कारण भी दोनों तारीखों को लेकर भ्रम पैदा होता है।सर्वपितृ अमावस्या 10 अक्टूबर को है। इस प्रकार धार्मिक दृष्टि से 26 सितंबर का भी श्राद्ध संबंधी महत्व है,लेकिन प्रतिपदा से आरंभ होने वाला पितृ पक्ष 27 सितंबर से माना जाना अधिक सटीक है।परंतु मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनाजी गोंदिया महाराष्ट्र बताता चाहूंगा कि पितृ पक्ष 2026 का सबसे बड़ा प्रश्न पंचांग की तारीख नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक चरित्र की तारीख बदलने का है। जिस देश की संस्कृति +मातृ देवी भव,पितृ देवी भव+का संदेश देती है,उसी समाज के सामने आज यह असहज प्रश्न खड़ा है कि कहीं हम मृत्यु के बाद माता-पिता के प्रति श्रद्धा प्रदर्शित करने में तो आगे नहीं बढ़ रहे, लेकिन उनके जीवित रहते हुए उनके लिए समय, संवाद, सम्मान और सहारा देने में पीछे तो नहीं हट रहे? तकनीकी और डिजिटल युग ने दुनिया को हथेली पर ला दिया है, परंतु कई परिवारों में एक ही घर के सदस्यों के बीच भावनात्मक दूरी बढ़ने की ज़िंता भी लगातार व्यक्त की जाती है।नई पीढ़ी शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय और वैश्विक अवसरों के कारण शहरों तथा विदेशों तक पहुंच रही है जो स्वयं में सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक प्रगति है लेकिन इस प्रगति का अर्थ माता-पिता और बुजुर्गों से भावनात्मक संबंध समाप्त होना नहीं हो सकता।तकनीकी समस्या नहीं है; समस्या तब है जब सुविधा संवेदना की जगह लेने लगे।

साथियों बात अगर हम 26 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक प्रत्येक दिन के श्राद्ध को समझने की करें तो 26 सितंबर 2026, शनिवार- पूर्णिमा श्राद्ध,27 सितंबर, रविवार-प्रतिपदा श्राद्ध, 28 सितंबर,सोमवार- द्वितीया श्राद्ध, 29 सितंबर, मंगलवार- तृतीया श्राद्ध और महाभरणी श्राद्ध 30 सितंबर,बुधवार- चतुर्थी और पंचमी श्राद्ध, 1 अक्टूबर,गुरुवार-षष्ठी श्राद्ध, 2 अक्टूबर, शुक्रवार- सप्तमी श्राद्ध, 3 अक्टूबर, शनिवार- अष्टमी श्राद्ध, 4 अक्टूबर, रविवार- नवमी श्राद्ध, 5 अक्टूबर, सोमवार- दशमी श्राद्ध, 6 अक्टूबर, मंगलवार-एकादशी श्राद्ध, 7 अक्टूबर, बुधवार- द्वादशी और मघा श्राद्ध, 8 अक्टूबर, गुरुवार- त्रयोदशी श्राद्ध, 9 अक्टूबर, शुक्रवार-चतुर्दशी श्राद्ध, 10 अक्टूबर शनिवार सर्वपितृ अमावस्या

चुनाव आयोग के विवादों का एक मजेदार इतिहास

चुनाव आयोग में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य आयुक्तों के बीच मतभेदों की चर्चा कोई नई बात नहीं है। आयोग में एक से अधिक आयुक्तों की नियुक्ति की प्रथा शुरू होने के बाद से ही आंतरिक कलह सामने आती रही है। विशेष रूप से टीएन शेषन का कार्यकाल अधिक विवादों से भरा रहा। शेषन ने एनएस गिल और जीवीवी कृष्णमूर्ति जैसे आयुक्तों के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त की थी। शेषन ने इन दोनों को चुनाव आयोग कार्यालय के दो संधे तक कह दिया था। इसके बाद, 2019 में एन गोपाल स्वामी और नवीन चावला के बीच विवाद हुआ। अक्टूबर 1989 में चुनाव आयोग में एक से अधिक आयुक्तों की नियुक्ति शुरू हुई। उस समय आर वी एस पेरी शास्त्री मुख्य चुनाव आयुक्त थे और एस एस नागोअ और वी एस सेगल चुनाव आयुक्त थे। शास्त्री इस व्यवस्था से विशेष रूप से खुश नहीं थे। अब तक एसआईआर से किन्ते नाम हटाए जा चुके हैं- भारत के विभिन्न राज्यों में विपक्षी दल एक साल से अधिक समय से एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को चुनौती दे रहे हैं। एसआईआर की समय सीमा और पद्धति को लेकर बड़ा विवाद चल रहा है। राजनीतिक दलों का आरोप है कि चुनाव आयोग मनमाने ढंग से मतदाताओं के नाम हटा रहा है। मतदाताओं के दस्तावेजों में खामियां दिखाकर बड़े पैमाने पर उनके मतदान के अधिकार को छीना जा रहा है। एसआईआर (स्ट्रूक) के कारण उत्तर प्रदेश में 2.04 करोड़, बिहार में 47 लाख, पश्चिम बंगाल में 58 लाख, तमिलनाडु में 74 लाख, मध्य प्रदेश में 35 लाख, राजस्थान में 31 लाख, गुजरात में 68 लाख, ओडिशा में 20 लाख, केरल में 9 लाख और छत्तीसगढ़ में 25 लाख मतदाताओं

के नाम हटा दिए गए हैं। बिना किसी अपवाद के, सभी विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की है। एसआईआर प्रक्रिया की वैधता को सर्वोच्च न्यायालय में भी चुनौती दी गई है।

चुनाव आयोग के खुलासे पर थरूर के तीखे सवाल- एक राष्ट्रीय समाचार पत्र में चुनाव आयोग में चल रही उथल-पुथल और खींचतान की रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद, चुनाव आयोग ने अपनी ओर से एक खुलासा जारी किया। इस खुलासे से नाराज कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने उनके सामने कुछ सवाल खड़े किए हैं। मुझे बताइए कि ज्ञानेश कुमार के अलावा अन्य दो चुनाव आयुक्तों द्वारा दर्ज की गई 14 आपत्तियां वास्तव में रिकॉर्ड में हैं या नहीं। फॉर्म 6 की वैधता क्या है? विशेष रूप से आयुक्तों द्वारा प्राप्त आपत्तियों के बाद क्या स्थिति है? क्या मतदाता डेटा का केंद्रीकरण किया गया है या नहीं? क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ने गोवा के उन 97 मतदाताओं के संबंध में कोई स्पष्टीकरण दिया है, जिनके नाम विवादित हैं? जिन मतदाताओं के नाम बहाल किए गए हैं, उनके लिए क्या कोई व्यवस्था लागू की गई है? कैबिनेट सचिव को किन परिस्थितियों में शिकायत की गई थी?

अमित शाह की सरकार के कार्यक्रम को लेकर संयुक्त राष्ट्र में शिकायत - तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोड्रा अपने आक्रामक स्वभाव के लिए जानी जाती हैं। महुआ मोड्रा का मानना ​​है कि जब भी अमित शाह किसी कार्यक्रम के लिए बंगाल आते हैं, तो वह यह सुनिश्चित करती हैं कि उनकी सुरक्षा में कोई मुस्लिम अधिकारी न हो। उनकी सुरक्षा टीम में कोई आईएएस या आईपीएस अधिकारी नहीं होता। मोड्रा ने अब इस बारे में संयुक्त राष्ट्र अल्पसंख्यक

प्रवासी की तस्वीर धुंधली करती हैं। सरकारी आँकड़ों में प्रवासी सिर्फ ‘कहाँ से आया’ और ‘कहाँ गया’ होता है; ‘क्यों गया’ दर्ज नहीं होता। कारण दर्ज न हो तो जलवायु की भूमिका अदृश्य रहेगी। सूखे से निकला किसान मजदूर, बाढ़ से भागा परिवार विस्थापित और गमीं में काम खोता श्रमिक सिर्फ गरीब बनकर रह जाएगा। शब्द बदलते ही समस्या और जिम्मेदारी बदल जाती है। प्रवास को विकास का सामान्य लक्षण कहना आधा सच है। बेहतर अवसर के लिए जाना प्रवास है; लेकिन बदलती जलवायु जब जाने को मजबूर करे और लौटने का रास्ता बंद कर दे, तो यह आर्थिक फैसला नहीं, बेदखली है।

अब जरूरत पदा की नहीं, नीति की है। ‘जलवायु प्रवासी’ को पहचान मिले; बाढ़, समुद्री क्षरण और सूखे से उजड़े परिवारों का पुनर्वास हो; किसानों को स्थानीय आजीविका मिले; प्रवासी मजदूरों के लिए राशन, स्वास्थ्य, आवास और शिक्षा पोर्टेबल हों; गमीं में पानी, छाया और विश्राम श्रमिक अधिकार हों; और जलवायु, आपदा व प्रवास को जोड़कर राष्ट्रीय से नगर स्तर तक नीति बने। प्रकृति ने फैसला सुना दिया है—लोग चल पड़े हैं। अब सरकार को तय करना है कि वह उन्हें सिर्फ ‘प्रवासी’ मानेगी या उनकी बेदखली की वजह पहचानेगी। घर बहने के बाद बन सकता है; पछानन बह जाए तो आदमी कहीं लौटे? भारत को अब जलवायु से लड़ने की नहीं, उससे उजड़ते नागरिकों को पहचानने की जरूरत है। क्योंकि विस्थापन दिखे, वजह न दिखे—तो विकास अधूरा है।

—प्रो. आरके जैन

पितृ पक्ष 2026 -पितरों को तर्पण -मृत्यु के बाद भव्य श्राद्ध,पर जीते-जी बुजुर्गों व माता-पिता की उपेक्षा कयों?

परंपराएं केवल भारत तक सीमित नहीं हैं।दुनियाँ की अनेक संस्कृतियों में अलग-अलग रूपों में दिवंगत पूर्वजों को स्मरण करने, उनकी कन्नों या स्मृति-स्थलों पर जाने और परिवार के साथ उनकी स्मृतियां साझा करने की परंपराएं मिलती हैं। इसलिए पितृ पक्ष को भारतीय संस्कृति के साथ-साथ मानवीय कृतज्ञता के व्यापक दर्शन के रूप में भी सटीकता से देखा जा सकता है।

साथियों,भारत में बुजुर्गों के अधिकारों को केवल नैतिकता के भरोसे नहीं छोड़ा गया है। माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण- पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 जैसी कानूनी व्यवस्था संतान और रिश्तेदारों की जिम्मेदारियों के प्रश्न को विधिक आयाम भी देती है। लेकिन प्रत्येक पारिवारिक संबंध को कानून के सहारे जीवित नहीं रखा जा सकता। अदालत आर्थिक भरण- पोषण का आदेश दे सकती है, परंतु माता के अकेलेपन को पुत्र के स्नेह में और पिता की प्रतीक्षा को बेटी के संवाद में परिवर्तित करने का आदेश कोई कानून नहीं दे सकता। उसके लिए संस्कारों की सामाजिक पुनर्जगृति आवश्यक है।विद्यालयों, परिवारों, धार्मिक- सामाजिक संस्थाओं और जनसंचार माध्यमों को मिलकर ऐसी चेतना विकसित करनी होगी जिसमें बच्चों को सफलता का अंक केवल उच्च वेतन, बड़ा पद और विदेश में नौकरी नहीं, बल्कि उन हथों का सम्मान करना भी सिखाया जाए जिन्होंने उन्हें वहां तक पहुंचाया है।

साथियों,आज आवश्यकता किसी हिंसक अथवा टकराव पूर्ण क्रांति की नहीं, बल्कि संवेदनाओं की विराट सामाजिक क्रांति की है,ऐसी क्रांति जिसमें पितृ पक्ष के सोलह दिनों की श्रद्धा वर्ष के शेष दिनों में भी माता-पिता की सेवा में दिखाई दे।परिवार सप्ताह में कम-से-कम कुछ निश्चित समय बुजुर्गों के साथ संवाद के लिए निर्धारित करें; दूर रहने वाली संतान नियमित संपर्क रखे; स्वास्थ्य, आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक सहभागिता की जिम्मेदारी साझा की जाए; बच्चों को दादा-दादी और नाना-नानी के जीवन-संघर्ष की कहानियां सुनाई जाएं। इससे पीढ़ियों के बीच केवल संबंध नहीं, बल्कि अनुभव और संस्कारों का हस्तांतरण भी होगा। डिजिटल युग को दोगे देने के बजाय डिजिटल साधनों को +पीढ़ियों को जोड़ने वाला सेतु+ बनाना आज की वास्तविक आवश्यकता है।

अतः 27 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक का पितृ पक्ष हमारे सामने केवल पूर्ण लेक का श्राद्ध करने का अवसर नहीं, बल्कि आत्मबंधन का दृष्टान्त जैसा है। प्रश्न यह नहीं कि हमने पितरों के लिए किन्ते दीप जलाए, किन्ते लोगों को भोजन कराया अथवा कितना बड़ा अनुष्ठान किया; बड़ा प्रश्न यह है कि जब हमारे माता- पिता हमारे सामने थे, तब हमने उनके जीवन में कितनी रोशनी भरी? पितृ पक्ष की सार्थकता तभी पूर्ण होगी जब मृत्यु के बाद श्रद्धा के साथ +जीवन रहते सेवा+ हमारी पारिवारिक संस्कृति का अटूट सिद्धांत बने। शायद आधुनिक भारत के लिए पितृ पक्ष का सबसे बड़ा संदेश यही है,श्राद्ध से पहले श्रद्धा, कर्मकांड से पहले कर्तव्य और मृत्यु के बाद सम्मान से पहले जीवन रहते माता-पिता का मान- सम्मान।

—धनंजय राजौरा

चुनाव आयोग के विवादों का एक मजेदार इतिहास

मामलों की समिति के सदस्य प्रोफेसर निकोलस लेबारा से शिकायत की है। उन्होंने शिकायत की है कि शाह के दौर के दौरान कार्यक्रम से तीन वरिष्ठ अधिकारियों को हटा दिया गया था। ये तीनों अधिकारी मुस्लिम हैं। सर्वविदित है कि ऐसे मामलों की संयुक्त राइ में शिकायत करने से कोई फर्क नहीं पड़ता। हालाँकि, यह संभव है कि मोड्रा ने यह मुद्दा इसलिए उठाया हो क्योंकि वह हमेशा खबरों में होना चाहते हैं। राहुल गांधी ने साहिल के परिवार से बात की- आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे की आत्महत्या विवादों में गिरती जा रही है। अब राजनीतिक दलों ने भी इस मुद्दे पर अपनी राय रखी है। लोकसभा के साथ +राहुल गांधी ने फोन पर साहिल के परिवार से बात की और उन्हें आश्वासन दिया कि न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। साहिल के परिवार ने आईआईटी बॉम्बे के प्रशासकों और कुछ अधिकारियों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच इस घटना की जांच कर रही है। साहिल के परिवार ने कुछ लोगों की गिरफ्तारी की भी मांग की है। साहिल के परिवार का कहना है कि आत्महत्या से कुछ दिन पहले उनके बेटे को फोन पर अपमानित किया गया था। साहिल के माता-पिता ने प्रोफेसर सूर्यनारायण दुला की गिरफ्तारी की भी मांग की है। सर्वभारता प्रसाद की गुणवत्ता पर न्यायालय की नाराजगी- टीडीबी ने केरल उच्च न्यायालय को बताया था कि वह सर्वभारमाला में प्रसाद बनाने वाली इकाई के निरीक्षण के दौरान एफएसएसआई द्वारा दिए गए सुझावों में अनुरार स्वच्छता और कोट निशुद्धता सुनिश्चित करने और भंडारण में मौजूद खामियों को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

—सुनील कुमार महला

चार दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन ICAAIICON 2026 का भव्य शुभारम्भ: संस्थापक सुरेश सिंह भदौरिया ने शीर्ष चिकित्सा विशेषज्ञों का किया सम्मान

अमलतास यूनिवर्सिटी एवं ICAAI के संयुक्त तत्वावधान में सम्मेलन का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी, एस्थमा एंड एलाइड इम्यूनोलॉजी तथा अमलतास यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में 24 से 27 सितंबर तक आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन ICAAIICON 2026 का भव्य एवं सफल शुभारम्भ किया गया।

समारोह के दौरान अमलतास ग्रुप के संस्थापक श्री सुरेश सिंह भदौरिया ने राष्ट्रीय आयोजन में पथारे विशेष अतिथियों तथा सेंट्रल साइंटिफिक एवं कार्यकारिणी कमेटी के शीर्ष विशेषज्ञों-पद्मश्री डॉ. दिगंबर बेहरा, पद्मश्री डॉ. राजेंद्र प्रसाद, ICAAI अध्यक्ष डॉ. सुरेश कूलवाल तथा ICAAI सचिव डॉ. राज कुमार को स्मृति चिह्न (पदचिह्न) भेंट कर आत्मीय सम्मान किया।

इसके पश्चात मंचासीन अतिथियों, आयोजकों एवं देशभर से आए वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञों ने एक साथ ICAAIICON 2026 की स्मारिका (Souvenir) का अनावरण किया।

अनुवाद के क्षेत्र में करियर की संभावनाएँ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

सीहोरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सर्सेंस, चंद्रशेखर आजाद शानिकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीहोरा के अंग्रेजी विभाग तथा भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ एवं स्वामी विवेकानन्द करियर मार्गदर्शन योजना के संयुक्त तत्वावधान में Career Prospects in Translation (अनुवाद के क्षेत्र में करियर की संभावनाएँ) विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय के नवीन सभागार में किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को अनुवाद के क्षेत्र में उलब्ध व्यावसायिक अवसरों तथा करियर की संभावनाओं से परिचित कराना था। विषय विशेषज्ञ सुश्री ऐशिता राठौर, सहायक प्राध्यापक, आईआईआईटी, भोपाल ने अपने वक्तव्य में वर्तमान समय में विभिन्न भारतीय भाषाओं एवं वैश्विक भाषाओं के बीच बढ़ते संवाद के संदर्भ में अनुवाद की उपयोगिता पर विशेष रूप से चर्चा की। सुश्री राठौर ने अपने उद्बोधन में शासकीय, अशासकीय, एवं फ्रीलान्सिंग के क्षेत्र में अनुवाद में रोजगार की व्यापक संभावनाओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुवाद के विभिन्न आयामों से भी अवगत कराया। उन्होंने साहित्यिक अनुवाद के साथ-साथ तकनीकी, प्रशासनिक, मीडिया, डिजिटल कंटेंट, उपशीर्षक, दुभाषिया कार्य तथा मशीन एवं एआई आधारित अनुवाद जैसे उभरते क्षेत्रों की जानकारी विद्यार्थियों से साझा की। सुश्री राठौर ने अनुवाद को एक विकसित होते हुए व्यावसायिक कौशल और करियर क्षेत्र के रूप में देखने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। कार्यशाला में विद्यार्थियों ने अनुवाद के क्षेत्र में आवश्यक भाषायी दक्षता, डिजिटल कौशल तथा आधुनिक तकनीकों के उपयोग से संबंधित जानकारी प्राप्त की।

दोस्तों के साथ नहाने गए 12 वर्षीय बच्चे की स्टाप डैम में डूबने से मौत



देखा तो तुरंत भागकर उसके परिजनों को खबर दी। ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे और कड़ी मशकत के बाद उसे पानी से बाहर निकाला। बच्चे को जिला अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों के सुपुर्द किया गया। पुलिस ने मर्ग कायम किया है। खुले कुए में नहा रहे बच्चे- गौरतलब है कि कुए और अन्य जलाशयों में बारिश कम होने के बावजूद पानी भरा हुआ है, जिसमें कई बच्चे जान जोखिम में डालकर खान कर रहे हैं। शाजापुर शहर के ज्योति नगर दरगाह क्षेत्र स्थित कच्चे कुए में भी प्रतिदिन दर्जनों बच्चों का हनुम नहाने पहुंच रहा है, जिन्हें न तो परिजन रोक पा रहे हैं और न ही स्थानीय रहवासी। ऐसे में हदसे का अदेशा बना हुआ है।

सेवा संकल्प यात्रा का भव्य और आत्मीय स्वागत

सीहोरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बड़नगर से वाराणसी के लिए निकाली जा रही 'जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा' का सीहोरा जिले के बुधनी तहसील की ग्राम पंचायत जहाजपुरा स्थित बांद्रामान पहुंचने पर ग्रामीणों एवं युवाओं ने आत्मीय स्वागत किया।



स्मारिका विमोचन के बाद आमजन के लिए एक विशेष जन-जागरूकता सत्र आयोजित किया गया।

डॉ. सुरेश कूलवाल को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया, 6 वरिष्ठ डॉक्टर बने लाइफ फेलो

सम्मेलन के दौरान जयपुर के प्रसिद्ध

चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. सुरेश कूलवाल (Dr. Suresh Koolwal, Jaipur) को एलजी एवं ध्रुवन चिकित्सा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान और उल्लेखनीय सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित ICAAI Life Time Achievement Award 2026 से सम्मानित किया गया। एवं क्रेडेंशियल

कमेटी (Credentials Committee) की अनुशंसा पर ICAAI की कार्यकारी परिषद द्वारा वर्ष 2026 के लिए 6 वरिष्ठ डॉक्टरों को Life Fellow के रूप में मनोनीत कर सम्मानित किया गया, जिसमें डॉ. शुभा जैन, डॉ. शेतांशु श्रीवास्तव, डॉ. बाबू लाल जैन, डॉ. सारिका गुप्ता, डॉ. मनीष राय एवं डॉ. भरत अनिल तोषनीवाल शामिल थे।

विशेष जन-जागरूकता सत्र में विशेषज्ञों से हुआ सीधा संवाद- होटल मैरियट, इंदौर के जोडीएक हॉल में शाम 5-30 से 6-30 बजे तक आयोजित इस जागरूकता सत्र में एलजी एवं अस्थमा के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने आम लोगों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं का वैज्ञानिक व चिकित्सकीय समाधान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में आम नागरिकों के लिए प्रवेश

पूणतः निशुल्क रखा गया।

बदलते मौसम और खान-पान से बढ़ती एलर्जी पर जागरूकता जरूरी- श्री सुरेश सिंह भदौरिया - अमलतास विश्वविद्यालय के संस्थापक श्री सुरेश सिंह भदौरिया ने कहा कि बदलते मौसम, धूल, परागकण (pollen), डस्ट माइट्स, खान-पान और दवाओं से होने वाली एलर्जी आज एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बनती जा रही है। इस जन-जागरूकता सत्र का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को इसके सही कारणों, लक्षणों, आधुनिक निदान और बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना है। सत्र में सांस व दमा, त्वचा, फूड व ड्रग तथा मौसमी एलर्जी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई।

ऑर्गेनाइजेशन चेयरमैन डॉ. सलिल भार्गव ने बताया कि कार्यक्रम में विशेषज्ञों के व्याख्यान के साथ-साथ एक विशेष सवाल-जवाब सत्र भी शामिल किया गया, जिसमें नागरिकों ने एलर्जी से जुड़ी अपनी व्यक्तिगत समस्याओं और धातियों पर सीधे

विशेषज्ञ डॉक्टरों से सवाल पूछकर उचित सलाह प्राप्त की।

ऑर्गेनाइजेशन सेक्रेटरी डॉ. अभय गुप्ता ने बताया कि इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी, एस्थमा एंड एलाइड इम्यूनोलॉजी के 60वें राष्ट्रीय सम्मेलन ICAAIICON 2026 का आयोजन अमलतास यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर इंदौर की पवन धारा पर करना हमारे लिए अत्यंत गर्व का विषय है।

हमारा उद्देश्य देश और दुनिया भर के अग्रणी चिकित्सकों, वैज्ञानिकों और युवा शोधकर्ताओं को एक ऐसा मंच प्रदान करना है जहाँ दमा (अस्थमा) एवं एलर्जी के उपचार में हो रहे नवीनतम अनुसंधानों, आधुनिक जांच तकनीकों और व्यावहारिक अनुभवों का आदान-प्रदान हो सके।

समारोह में अमलतास यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. आर.के. सिंह, तथा कॉलेज डीन डॉ. ए.के. पीठवा सहित देश-विदेश से पथारे 500 से अधिक विशेषज्ञ चिकित्सक व शोधार्थी गरिमामयी उपस्थिति में शामिल रहे।

विकसित भारत के निर्माण में विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका हैं- मंत्री परमार



तक भारत दुनिया का अग्रणी और सामर्थ्यवान राष्ट्र बनेगा एवं ऊर्जा, कृषि, अर्थव्यवस्था, विज्ञान, शिक्षा और हर क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर होकर विश्व का नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा कि इस संकल्प को पूरा करने में विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। मंत्री परमार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे अमूलचूल परिवर्तन के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि सांदीपनि विद्यालय जैसे शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से समाज के बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करना सरकार की मंशा है। उन्होंने शिक्षकों से कहा

कि यदि विद्यार्थी उनकी जिज्ञासाओं को लेकर प्रश्न पूछते हैं तो उनका उत्तर देना शिक्षकों का दायित्व है। शिक्षक विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान कर उनके पूछे गए प्रश्नों का उत्तर अवश्य दें।

विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने से नहीं रोकें। साथ ही शिक्षक बच्चों के प्रश्नों को प्रोत्साहित करें, क्योंकि प्रश्न करने वाला विद्यार्थी ही आगे चलकर श्रेष्ठ नागरिक बनता है। उन्होंने 2047 के विकसित भारत के निर्माण के लिए सभी विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों से अपनी क्षमता का सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए कहा। वहीं विधायक अरूण भीमावद ने अंतर्गत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग को विकसित भारत के संकल्प से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा

है। इसी क्रम में विद्यार्थियों के बीच आयोजित चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता में विद्यालय, संकुल और विकासखंड स्तर से होते हुए प्रतिभागियों ने जिला स्तर तक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि इन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने विकसित भारत, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, नागरिक कर्तव्य और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों को अपनी कल्पना और विचारों के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। जिलाध्यक्ष भाजपा डॉ. रवि पाण्डे ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत 'मेरे सपनों का भारत 2047 विकसित भारत' विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने तकनीक, शिक्षा, स्वच्छता, नशामुक्ति, पर्यावरण और संस्कृति सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकसित भारत की अपनी कल्पना प्रस्तुत की।

स्कूटी का वितरण - कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के उच्च शिक्षा तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंद्रसिंह परमार एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा कक्षा 12वीं में शाला में सावाधिक अंक लाने वाले 37 विद्यार्थियों को

शासन की योजना अंतर्गत स्कूटी वितरित की गई।

चित्रकलाएं एवं भाषण प्रतियोगिता में विजेताओं का सम्मान - प्रदेश के उच्च शिक्षा तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंद्रसिंह परमार एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में आयोजित की गई चित्रकलाएं एवं भाषण प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उमावि शाजापुर की संस्था जाटव ने प्रथम, एडवांस एकेडमी बेरछा की वशिंका घाबरी ने द्वितीय तथा मां शारदा सांदीपनि विद्यालय शुजालपुर की आरूषी बड़जात्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार भाषण प्रतियोगिता में सांदीपनि विद्यालय पोचानेर की वैष्णवी जामलिया ने प्रथम, शासकीय उमावि सलसलाई प्रेक्षा सोनी ने द्वितीय तथा इटरनल स्कूल ऑफ शाजापुर की रविना निपाटी व सांदीपनि शासकीय उमावि पोलायकलां की पायल आर्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

श्रीकाशी (वाराणसी)-गया धाम यात्रा के लिए शाजापुर से 259 तीर्थ यात्री रवाना हुए



शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना अंतर्गत शाजापुर जिले से श्री काशी (वाराणसी) गया धाम यात्रा 26 सितंबर 2026 से 01 अक्टूबर 2026 तक के लिए 259 तीर्थ यात्रियों, 05 अनुसूचक एवं 05 पुलिस सुरक्षा कर्मियों को प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंद्रसिंह परमार ने शाजापुर के रेवेन्वे स्टेशन से हरी झण्डी दिखाकर ट्रेन से रवाना किया। शनिवार को मंत्री परमार, विधायक शाजापुर अरूण भीमावद, विधायक कालापील घनश्याम चन्द्रवंशी सहित जनप्रतिनिधियों ने श्रीकाशी (वाराणसी) गया धाम यात्रा में शामिल तीर्थ यात्रियों का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री परमार ने सभी तीर्थ यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए उनसे देश-प्रदेश एवं जिले की प्रगति एवं खुशहाली और सभी लोगों के कल्याण के लिए भगवान से प्रार्थना करने का आह्वान किया। इस दौरान विधायक भीमावद ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष प्रेम जैन, डॉ. रवि पाण्डे, मनोहर विश्वकर्मा, गोविन्द नायक, अपर कलेक्टर काशीराम बडोले, अनुविभागीय अधिकारी मनीषा वास्करले, डिप्टी कलेक्टर आलोक वर्मा सहित जनप्रतिनिधि, पार्षद, गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

ग्राहकों की सुविधा के लिए आज खुलेंगे जिले के सभी बैंक, होगा सामान्य कामकाज

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। यदि आपका बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम अटका हुआ है, तो उसे आज ही निपटा लें, क्योंकि कल सोमवार से लगातार तीन दिनों तक बैंकों में कामकाज ठप रह सकता है। महीने के आखिरी दिनों में आमजन और व्यापारियों को होने वाली इसी परेशानी से बचाने के लिए रविवार को अवकाश के दिन भी जिले के सभी बैंक खुले रहेंगे और उनमें सामान्य दिनों की तरह ही कामकाज होगा। लीड बैंक मैनेजर ने बताया कि बैंक अधिकारी एवं कर्मचारी संघठनों द्वारा 28, 29 एवं 30 सितंबर को हड़ताल प्रस्तावित है। लगातार तीन दिन हड़ताल रहने से बैंक शाखाओं में सामान्य लेन-देन और अन्य सेवाएं प्रभावित रहने की संभावना है। इसी को देखते हुए ग्राहकों की सुविधा के लिए रविवार को विशेष रूप से सभी बैंक शाखाएं चालू रखने का निर्णय लिया गया है।

एटीएम और कियोस्क से मिलती रहेगी राहत- एलडीएम ने बताया कि तीन दिवसीय हड़ताल के दौरान शाखाओं में कामकाज प्रभावित रहने के बावजूद जिले के सभी एटीएम और बैंक कियोस्क संचर सुचारु रूप से चालू रहेंगे। उन्होंने ग्राहकों से अपील की है कि वे लेन-देन, चेक जमा करने एवं अन्य जरूरी बैंकिंग कार्य 27 सितंबर को ही पूर्ण कर लें, ताकि आगे किसी भी तरह की असुविधा से बचा जा सके।



महत्वाकांक्षी परियोजना की स्थापना और तकनीकी दिशा का नेतृत्व मुख्य संस्थापक व प्रमुख मोहित दुबे और प्रेमाज कुंजर कर रहे हैं। इस चार सदस्यीय मुख्य टीम में शाजापुर के प्रसन्न नारेलिया संस्थापक सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, जबकि गोरखपुर उत्तर प्रदेश के अंशुमान शुक्ला भी टीम का

प्रमुख हिस्सा है। शाजापुर के सहज पब्लिक स्कूल, इंटरनल स्कूल और एमजी कॉन्वेंट स्कूल से अपनी शुरुआती पढ़ाई पूरी करने वाले प्रसन्न की इस अंतरराष्ट्रीय स्तर की तकनीकी पहल में भागीदारी जिले के युवाओं के लिए बड़ी प्रेरणा बन गई है। वनसुपरब्रेन की सबसे

बड़ी विशेषता यह है कि यह कोडिंग के दौरान लगभग 50 प्रतिशत कम टोकन का उपयोग करता है, जिससे कंपनियों के एआई खर्च में 30 से 40 प्रतिशत तक की सीधी बचत होती है। कम लागत के बावजूद इसकी सटीकता और क्षमता विश्वस्तरीय है। एसडब्ल्यू-बैंच लाइट परीक्षण में इसने कम लागत और टोकन



शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में रात्रिकालीन गश्त को चुस्त-दुरुस्त करने और रात के समय होने वाले अपराधों पर नकेल कसने के लिए शाजापुर पुलिस अब आधुनिक तकनीक का सहारा लेगी। पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला की पहल पर शनिवार से जिले में 'प्रहरी' नाइट पेट्रोलिंग एप्लीकेशन की शुरुआत की गई है। इस नई व्यवस्था के लागू होने से पुलिसकर्मी अब गश्त के नाम पर खानापूर्ति नहीं कर सकेंगे। कंट्रोल रूम से उनकी पल-पल की लोकेशन और मूवमेंट पर सीधी नजर रखी जाएगी। पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान इस एप का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जिलेभर के थाना प्रभारियों और पुलिस अधिकारियों को एप के इस्तेमाल और मॉनिटरिंग की बारीकियां सिखाई गईं।

अंदरूनी इलाकों और गलियों तक पहुंचेगी

करेगा। रातभर की गश्त के डेटा का अगले दिन सुबह विश्लेषण किया जाएगा। इस रिपोर्ट के आधार पर सुसैदी से इश्ट्री करने वाली पेट्रोलिंग टीमों को पुरस्कृत किया जाएगा। वहीं, निर्धारित पॉइंट्स पर न पहुंचने या गश्त में लापरवाही बरतने वाली टीमों को चिन्हित कर उन पर सुधार की कार्रवाई की जाएगी।

प्रशिक्षण में ये अधिकारी रहे मौजूद- शुभारंभ अवसर पर पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला, एसपी घनश्याम मालवीय, एसडीओपी शाजापुर कीर्ति बघेल, एसडीओपी (अजाक) अजय मिश्रा, रक्षित निरीक्षक वंदना सिंह, लालघाटी टीआई अर्जुन मुजाव्दे, यातायात प्रभारी मोनिका ठाकुर, महिला थाना प्रभारी आशा सोलंकी और रेडियो प्रभारी एसआई अंतर सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। जिले के अन्य थानों के प्रभारी व स्टाफ ऑनलाइन माध्यम से इस प्रशिक्षण से जुड़े।

प्रशिक्षण में ये अधिकारी रहे मौजूद- शुभारंभ अवसर पर पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला, एसपी घनश्याम मालवीय, एसडीओपी शाजापुर कीर्ति बघेल, एसडीओपी (अजाक) अजय मिश्रा, रक्षित निरीक्षक वंदना सिंह, लालघाटी टीआई अर्जुन मुजाव्दे, यातायात प्रभारी मोनिका ठाकुर, महिला थाना प्रभारी आशा सोलंकी और रेडियो प्रभारी एसआई अंतर सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। जिले के अन्य थानों के प्रभारी व स्टाफ ऑनलाइन माध्यम से इस प्रशिक्षण से जुड़े।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता संपन्न

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झारड़ा में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। प्रतियोगिता में विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों से विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी रचनात्मकता, अभिव्यक्ति क्षमता एवं प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

कार्यक्रम में विधायक श्री दिनेश जैन ‘बोस’, पूर्व विधायक श्री बहादुरसिंह चौहान, जगपद अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा सूर्यवंशी,जिला पंचायत सदस्य श्री प्रतापसिंह जी आर्य व श्री श्यामसिंह जी चौहान, मंडल अध्यक्ष झारड़ा श्यामसिंह जी बगड़वत,गणेश आंजना मंडल कोषाध्यक्ष, सरपंच प्रतिनिधि नागुनाल जी



मालवीय, जन प्रतिनिधि जगदीशचंद्र पोवाल,हेमंत कुमार जोशी एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री किशोर कुमार परमार, संकुल प्राचार्य श्री संतोष कुमार सोनी सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही

वरिष्ठ समूह की भाषण प्रतियोगिता में

सौम्या उथरा सेंट जोसेफ स्कूल महिदपुर व तंजिला रंगरेज ओएसिस स्कूल , दोनो छात्राओं ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया

द्वितीय-नस्ताईन मेव –संकुल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घोंसला तृतीय-उज्जभा पटेल – संकुल कन्या उमावि झारड़ा भाषण प्रतियोगिता –

कनिष्ठ समूह

प्रथम- पूजा व्यास-संकुल केंद्र इंदौर द्वितीय- अर्चना सरदार हाइस्कूल खोरिया सुमरा तृतीय- ईशिका-मॉडल उमावि महिदपुर **चित्रकला प्रतियोगिता वरिष्ठ समूह-** प्रथम- प्रतीज्ञा शर्मा – हाई स्कूल पेटलावद

खाचरौद का विस्तृत निरीक्षण किया इस दौरान एसडीएम नेहा साहू की अभिनव पहल 'पोषण पूल अभियान' का विधिवत

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/दैनिक मालावा हेराल्ड। खाचरौद जनविश्वास अभियान’ के तहत खाचरौद में कुपोषण के खिलाफ एक नए अध्याय की शुरुआत हुई जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कुमट,एसपी (ग्रामीण) करणदीपसिंह और एसडीएम श्रीमती नेहा साहू ने पोषण पुनर्वास केंद्र खाचरौद का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम नेहा साहू की अभिनव पहल पोषण पूल अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य समुदाय की सक्रिय भागीदारी से खाचरौद को कुपोषण मुक्त बनाना है जनभागीदारी से पोषण पूल-कुपोषण पर करारा प्रहार पोषण पूल अभियान के तहत हस्त से डिस्चार्ज होने वाले बच्चों को घर पर भी निरंतर पोषण देने की व्यवस्था की गई है इसके अंतर्गत बच्चों को हड्डियां मजबूत करने,भूख व वजन बढ़ाने वाले विशेष पाउडर एनर्जी-प्रोटीन युक्त लड्डू उपलब्ध कराए जाएंगे। परिजनों को घर पर ही रागी, मिलेट्स,भुने चने, बादाम, अखरोट,मूंग और कद्दू के बीजों से प्रोटीन पाउडर तैयार करने और उसका उपयोग करने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है इस पुनीत कार्य में रोगी कल्याण समिति के सदस्य श्री अनिल छत्रेड ने

केशव विद्या वाटिका की शैक्षणिक उत्कृष्टता का परचम



बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण अंचल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सटीक मार्गदर्शन का प्रमुख केंद्र बन चुकी केशव विद्या वाटिका, कारोदा ने अपनी शैक्षणिक दक्षता का एक बार फिर लोहा मनवाया है। वाघेला रफ़ द्वारा संचालित इस प्रतिष्ठित विद्यालय की होनहार छात्रा रिशिका डामर का चयन प्रतिष्ठित जवाहर नवोदय विद्यालय, मूलथान में हुआ है। रिशिका की इस ऐतिहासिक सफलता ने विद्यालय की उपलब्धियों की श्रृंखला में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है। रिशिका के चयन से विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल है। विद्यालय के संचालक प्रहलाद वाघेला एवं प्राचार्या रीना देवी वाघेला सहित सम्पत्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने रिशिका को शुभकामनाएं दीं।

सफलता पर प्रकाश डालते हुए संचालक प्रहलाद वाघेला ने कहा, रिशिका का नवोदय विद्यालय में चयन होना सीधे तौर पर केशव विद्या वाटिका की गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पद्धति, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और छात्रा के कड़े परिश्रम को दर्शाता है। यह उपलब्धि यह साबित करती है कि यदि सही मार्गदर्शन मिले तो ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे भी हर शिखर को छू सकते हैं। यह सफलता स्कूल के बाकी विद्यार्थियों में भी नया उत्साह भरेगी। नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में केशव विद्या वाटिका का दबदबा नया नहीं है। इससे पूर्व भी विद्यालय की कुशल शिक्षण व्यवस्था के दम पर खुशुभ धाकड़, प्रीतम पंवार, कनक पटौदर, मयंक धाकड़ जैसे कई प्रतिभाजन विद्यार्थियों का नवोदय विद्यालय में चयन हो चुका है। लगातार हो रहे ये चयन इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं कि केशव विद्या वाटिका में विद्यार्थियों की नींव मजबूत करने और उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के योग्य बनाने के लिए निरंतर उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है। छात्रा की इस बड़ी उपलब्धि से उसके परिवार के साथ-साथ पूरे विद्यालय परिवार और क्षेत्र में हर्ष एवं गर्व की लहर है।

अग्रणी भूमिका निभाते हुए बादाम पिस्ता, मिलेट्स, गुड़, काला चना और अमूल स्पे जैसी आवश्यक सामग्रियां दानस्वरूप उपलब्ध कराई। निरीक्षण के दौरान एसडीएम नेहा साहू ने माताओं को सुरजना (सहजन) की फली, चुकंदर, टमाटर और लौकी से प्रेशर कुकर में पौष्टिक सूप बनाने का व्यावहारिक तरीका समझाया। उन्होंने बताया कि यह सूप बच्चों में हीमोग्लोबिन, वजन और रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) बढ़ाने में बेहद कारगर है। जब प्रयासों से बदली ज़िंदगी- तीन सफलता की कहानियां- जिविषा (गोद ली गई बच्ची की नई राह)- अति गंभीर कुपोषण से ग्रसित बालिका जिविषा को एसडीएम नेहा साहू ने स्वयं गोद लिया नियमित पोषण सामग्री और निरंतर घर पर जाकर देख-रेख का ही परिणाम है कि जिविषा का वजन 7.3९5 किग्रा से बढ़कर 8.11० किग्रा हो गया है आदि (अंतरविभागीय समन्वय का बेजोड़ उदाहरण):- दस्तक अभियान के



रतलाम में भर्ती कराया गया खतरे से बाहर आने के बाद उसे हस्त खाचरौद में भर्ती रखा गया, जिससे बालक का वजन 3.6०0 किग्रा से बढ़कर 5.००0 किग्रा हो गया मिहिका (सटीक डायग्नोसिस और डाइट प्लान से मिला नवजीवन):- निरंतर पेट दर्द और दस्त से पीड़ित मिहिका का वजन लगातार गिर रहा था बड़ौदा तक इलाज कराने के बाद भी बीमारी पकड़ में नहीं आई। हस्त के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. सैंडीप डंगरवाल ने सीलिएक डिजीज (गेहूं से एलर्जी) की आशंका जताई। एसडीएम के सहयोग से बाहर की लैब से जांच कराने पर बीमारी की पुष्टि हुई इसके बाद पोषण प्रशिक्षक ज्योति वर्मा ने गेहूं-मुक्त (मक्का, ज्वार, बाजरा, रागी) विशेष डाइट प्लान

गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से गूंजा खरसोद कला

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। खरसोद कला में गणेश चतुर्थी के अवसर पर भगवान श्री गणेश की भव्य सवारी श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। सवारी के दौरान पूरा नगर -गणपति बप्पा मोरया- के जयघोष से गूंज उठा। ढोल-नागाडों और बैड-बाजों की धुन पर श्रद्धालु भगवान गणेश की भक्ति में झूमते नरर आए।

खेड़पति गणेश की सवारी नगर के प्रमुख



मागों से होती हुई श्रीराम चौराहे पर पहुंची। रास्ते में जगह-जगह श्रद्धालुओं एवं गणेश भक्त

मंडलों द्वारा भगवान गणेश का स्वागत किया गया। शीतला माता मंदिर पर बाल गणेश मंडल की ओर से महाप्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। इस दौरान बाल गणेश मंडल ने भक्तों को विशेष संदेश देते हुए कहा कि जिस श्रद्धा और उत्साह से हम गणपति बाबा को घर एवं पंडाल में लाकर 1०

राकेश कुमार, प्रबंध निदेशक एवं संस्थापक, स्ववायर इंश्योरेंस

दिवाली पर सोना खरीदना और अपने प्रियजनों को उपहार में देना भारतीय परिवारों की पुरानी परंपरा रही है। लेकिन बदलती वित्तीय प्राथमिकताओं और बढ़ती जागरूकता के बीच उपहार की इस परंपरा में एक नया विचार धीरे-धीरे जगह बना रहा है-क्या किसी प्रियजन को सोने के बजाय जीवन बीमा दिया जा सकता है?

पहली नजर में यह विचार असामान्य लग सकता है। सोना एक ऐसी संपत्ति है जिसे देखा और छुआ जा सकता है तथा आवश्यकता पड़ने पर बेचा भी जा सकता है। इसके विपरीत, सावधि जीवन बीमा ऐसी सुरक्षा है जिसका मूल्य किसी भौतिक वस्तु के रूप में दिखाई नहीं देता। इसका मूल उद्देश्य निवेश या संपत्ति निर्माण नहीं, बल्कि बीमित व्यक्ति की मृत्यु की स्थिति में उसके परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। यही अंतर इसे पारंपरिक दिवाली उपहार से अलग बनाता है।

उपहार की परिभाषा में आ रहा बदलाव-भारत में बीमा लंबे समय से व्यक्तिगत वित्तीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। हालांकि, किसी दूसरे व्यक्ति के लिए सावधि जीवन बीमा की व्यवस्था को ‘उपहार’ के रूप में देखने की अवधारणा अभी मुख्यधारा की परंपरा नहीं बनी है।

फिर भी, परिवारों में वित्तीय सुरक्षा को लेकर बातचीत बढ़ रही है। माता-पिता अपने कमाने वाले बच्चों के लिए पर्याप्त जीवन बीमा सुरक्षा की जरूरत पर विचार कर रहे हैं। पति-पत्नी परिवार की आग को सुरक्षित रखने के उपायों पर चर्चा कर रहे हैं। वहीं, कई संस्थान अपने कर्मचारियों को दिए जाने वाले लाभों में बीमा सुरक्षा को भी महत्व दे रहे हैं। इस बदलाव के पीछे विचार सीधा है-उपहार केवल ऐसी वस्तु क्यों हो जिसका उपयोग आज किया जाए? वह ऐसी आर्थिक सुरक्षा भी हो सकती है, जिसका महत्व भविष्य में सामने आए। उदाहरण से समझिए मान लीजिए, 30 वर्ष का एक स्वस्थ सॉफ्टवेयर क्षेत्र में काम करने वाला व्यक्ति सालाना 14 लाख रुपये कमाता है और उसके पास पर्याप्त जीवन बीमा सुरक्षा नहीं है। उसके माता-पिता इस दिवाली उसके लिए एक करोड़ रुपये की सावधि जीवन बीमा सुरक्षा लेने में आर्थिक सहायता करना चाहते हैं।

यदि किसी बीमा कंपनी की जोखिम जांच और उत्पाद मूल्य निर्धारण के अनुसार इस व्यक्ति का वार्षिक प्रीमियम उदाहरण के तौर पर ९,6०0 रुपये आता है, तो उसका औसत मासिक खर्च 8०0 रुपये होगा।



हालांकि, इस राशि को बाजार में लागू निश्चित प्रीमियम नहीं माना जा सकता। वास्तविक प्रीमियम व्यक्ति की आयु, स्वास्थ्य, धूम्रपान या तंबाकू सेवन, व्यवसाय, बीमा अवधि, बीमा राशि, प्रीमियम भुगतान अवधि और बीमा कंपनी की जोखिम जांच जैसे कई कारकों पर निर्भर करता

है। इस उदाहरण में ९,6०0 रुपये वह राशि है जो वित्तीय सुरक्षा प्राप्त करने के लिए चुकाई जा रही है। एक करोड़ रुपये वह राशि नहीं है जिसे बीमाधारक निवेश के रूप में जमा कर रहा है। पॉलिसी की शर्तों के अनुसार बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर नामित व्यक्ति को मृत्यु लाभ प्राप्त हो सकता है।

यही सावधि जीवन बीमा की मूल भूमिका है-परिवार की आय और आर्थिक जिम्मेदारियों से जुड़े जोखिम के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान करना।

सोने और सावधि जीवन बीमा की तुलना में सावधानी जरूरी-दिवाली के दौरान सोने और सावधि जीवन बीमा की तुलना स्वाभाविक लग सकती है, लेकिन दोनों मूल रूप से अलग वित्तीय साधन हैं।

24 सितंबर 2०26 को भारत में 24 कैंरेट सोने का प्रकाशित भाव लगभग 1,5०,55० रुपये प्रति 1० ग्राम था। दिल्ली में उसी दिन 24 कैंरेट सोने का भाव लगभग 1,5१,12० रुपये और जयपुर में लगभग 1,5०,414 रुपये प्रति 1० ग्राम दर्ज किया गया। वास्तविक खरीद मूल्य में विक्रेता, कर और अन्य खर्चों के कारण अंतर हो सकता है।

दूसरी ओर, सावधि जीवन बीमा की ऐसी बाजार कीमत नहीं होती जिसे बाद में बेचकर धन प्राप्त किया जा सके। यह मुख्य रूप से जोखिम से सुरक्षा प्रदान करने वाला बीमा उत्पाद है। सामान्य शुद्ध सावधि जीवन बीमा योजना में यदि बीमित व्यक्ति बीमा अवधि पूरी होने तक जीवित रहता है, तो सामान्यतः कोई परिपक्वता लाभ नहीं मिलता। वहीं, पॉलिसी की शर्तों के अनुसार बीमा अवधि के दौरान बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर नामित व्यक्ति को मृत्यु लाभ मिल सकता है।

इसलिए डेढ़ लाख रुपये के सोने और एक करोड़ रुपये की बीमा सुरक्षा को सीधे तौर पर समान मूल्य की दो चीजें मानना उचित नहीं होगा। पहला एक संपत्ति है, जबकि दूसरा आर्थिक सुरक्षा का साधन है। ‘उपहार’ देने वाला कौन और बीमित व्यक्ति कौन- यह इस पूरी अवधारणा का सबसे महत्वपूर्ण

व्यावहारिक पहलू है।

किसी व्यक्ति के लिए बीमा खरीदते समय प्रस्तावक, पॉलिसीधारक, बीमित व्यक्ति और नामित व्यक्ति की भूमिकाएं अलग-अलग हो सकती हैं। यह व्यवस्था बीमा कंपनी और लागू नियमों के अनुसार निर्धारित होती है। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि कोई भी व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति के नाम पर अपनी इच्छा से सावधि जीवन बीमा पॉलिसी लेकर उसे बाद में सामान्य उपहार की तरह हस्तांतरित कर सकता है।

यदि माता-पिता अपने वयस्क बच्चे के सावधि जीवन बीमा का प्रीमियम भरना चाहते हैं, तो उन्हें बीमा कंपनी से पहले यह स्पष्ट कर लेना चाहिए कि पॉलिसी में प्रस्तावक और पॉलिसीधारक कौन होगा, बीमित व्यक्ति कौन होगा और प्रीमियम भुगतान की व्यवस्था किस प्रकार होगी।दूसरे शब्दों में, बीमा पॉलिसी को मिटाई के डिब्बे या सोने के सिक्के की तरह सीधे हाथ से हाथ में नहीं दिया जा सकता। इसे नियामकीय और सविदात्मक आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्थित करना होता है।

नामांकन की भूमिका भी महत्वपूर्ण सावधि जीवन बीमा लेते समय नामित व्यक्ति का चयन केवल औपचारिकता नहीं है।

बीमा कानून की धारा 39 के तहत पॉलिसीधारक को अपने जीवन पर ली गई जीवन बीमा पॉलिसी के लिए नामित व्यक्ति नियुक्त करने की अनुमति है। नाबालिग नामित व्यक्ति के मामले में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किसी व्यक्ति को बीमा राशि प्राप्त करने के लिए नियुक्त करने का प्रावधान भी है। लागू प्रावधानों के अनुसार नामांकन में बदलाव या उसे रद्द किया जा सकता है।

इसलिए विवाह, बच्चे के जन्म, तलाक या परिवार की आर्थिक परिस्थितियों में महत्वपूर्ण बदलाव होने के बाद नामांकन की समीक्षा करना उपयोगी हो सकता है।

कर व्यवस्था को भी समझना जरूरी-सावधि जीवन बीमा को लेकर कर व्यवस्था भी एक महत्वपूर्ण पहलू है। आयकर अधिनियम, 2025 की धारा 123 के अंतर्गत निर्धारित बचत और भुगतानों पर कर कटौती की व्यवस्था की गई है। जीवन बीमा के लिए भुगतान किया गया पात्र प्रीमियम निर्धारित शर्तों के अधीन कर कटौती के लिए पात्र हो सकता है।

निर्धारित प्रावधानों के अनुसार व्यक्ति द्वारा स्वयं, पति या पत्नी अथवा संतान के जीवन पर ली गई जीवन बीमा पॉलिसी के लिए किया गया पात्र भुगतान निर्धारित शर्तों के अधीन कर कटौती के दायरे में आ सकता है।

हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि हर सावधि

गणेश विसर्जन के दौरान तीन नवयुवकों की डूबने से मृत्यु

कलेक्टर, एसपी एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने सिविल अस्पताल पहुंचकर परिजनों से की मुलाकात

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान बदनावर क्षेत्र में एक अत्यंत दर्दनाक हादसा सामने आया, जिसमें तीन नवयुवकों की पानी में डूबने से असमय मृत्यु हो गई थी इस हृदयविदारक घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन एवं पुलिस द्वारा तत्काल आवश्यक

कार्रवाई की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए देर रात कलेक्टर धार श्री राजीव रंजन मीणा, पुलिस अधीक्षक धार श्री सचिन शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धार सुश्री पारुल बेलापुरकर सिविल अस्पताल बदनावर पहुंचे तथा घटना की जानकारी ली।

अधिकारियों ने अस्पताल में मृत



नवयुवकों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें इस अत्यंत दुःख की घड़ी में ढांढस बंधाया तथा हिम्मत एवं धैर्य बनाए रखने के लिए कहा। प्रशासनिक अधिकारियों ने परिजनों को हरसंभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया।

इस दौरान एसडीएम बदनावर श्रीमती प्रियंका मिमरोट, तहसीलदार

श्री सुरेश नागर, थाना प्रभारी श्री अमित सिंह कुशवाहा एवं मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग के जिला आयोग मित्र श्री जयेश राजपुरोहित भी उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने घटना की परिस्थितियों की जानकारी लेते हुए आवश्यक वैधानिक

एवं प्रशासनिक कार्रवाई के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। एवम कहा कि एक साथ तीन नवयुवकों की असमय मृत्यु की घटना अत्यंत दुःख एवं पीड़ादायक है। इस दुःख की घड़ी में प्रशासन एवं पुलिस मृतकों के परिजनों के साथ खड़े हैं तथा उनके प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

आंगन मिलन सेवा अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित



कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों, महिलाओं एवं परिवारों तक विभागीय सेवाओं की पहुंच को मजबूत करना तथा समुदाय की सहभागिता बढ़ाना रहा मिशन नीव कार्यक्रम के जिला समन्वयक लोकेन्द्र तंवर ने जानकारी देते हुए बताया की जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश त्रिपाठी के मार्गदर्शन में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम तीन चरणों में आयोजित होगा कार्यक्रम के पहले चरण अंतर्गत परियोजना खाचरोद के सेक्टर धिनौदा अंतर्गत ग्राम कंचनखेड़ी में कार्यक्रम आयोजित कर अभियान की शुरुआत की गई कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत एवं महिला एवं बाल विकास समिति अध्यक्ष राधिका कुंवर सोलंकी पति गजेन्द्रसिंह सोलंकी उपस्थित रह प्रधानमंत्री के संदेश का वाचन कर उपस्थितजन को सम्बोधित किया इस अवसर पर सरपंच जगदीश खटौनिया, पंच लालचंद्र चंद्रवंशी, परियोजना अधिकारी मनोज जाट, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर नरेंद्र, एएनएम रेखा खंडवी सहित पर्यवेक्षक सुनीता साहनी एवं नीता कुशवाहा उपस्थित रहें कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता चंद्रमणी अहिरवार एवं राजश्री शर्मा तथा सहायिका पार्वती सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग किया अतिथियों ने आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों एवं महिलाओं के लिए संचालित योजनाओं और सेवाओं की जानकारी दी तथा समुदाय से इन सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों एवं हितग्राहियों को विभागीय गतिविधियों से जोड़ने और जागरूक करने पर भी जोर दिया गया।

जीवन बीमा प्रीमियम पर स्वतः डेढ़ लाख रुपये तक की कर कटौती मिलती है। डेढ़ लाख रुपये की सीमा विभिन्न पात्र भुगतानों से जुड़ी सम्पन्न सीमा है और वास्तविक कर लाभ लागू शर्तों तथा करदता द्वारा चुनी गई कर व्यवस्था पर निर्भर करता है।

नई कर व्यवस्था में ऐसी कटौती उपलब्ध नहीं है। इसलिए केवल कर लाभ को सावधि जीवन बीमा खरीदने का आधार मानना उचित नहीं होगा।

कंपनियों के लिए भी बन सकता है कर्मचारी लाभ का विकल्प- दिवाली के दौरान कंपनियाँ अपने कर्मचारियों को उपहार, प्रोत्साहन और अन्य सुविधाएँ देती हैं। ऐसे में सामूहिक जीवन बीमा या अतिरिक्त जीवन सुरक्षा को कर्मचारी लाभ के रूप में उपलब्ध कराने का विचार भी कुछ संस्थानों के लिए उपयोगी हो सकता है।

हालांकि, नियोक्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई बीमा सुविधा के कर उपचार को हर स्थिति में ‘कर-मुक्त’ या ‘पूरी तरह कर कटौती योग्य’ बनाना उचित नहीं होगा। इसका प्रभाव योजना की संरचना, कर्मचारी के लिए उसके कर उपचार तथा नियोक्ता की लेखांकन और कर संबंधी परिस्थितियों पर निर्भर कर सकता है।

इसलिए कंपनियों को ऐसी व्यवस्था लागू करने से पहले बीमा कंपनी और कर विशेषज्ञों से इसकी अनुपालन आवश्यकताओं तथा कर उपचार की पुष्टि करनी चाहिए।

सबसे बड़ी चुनौती-ल्योहार और मृत्यु की बातचीत- सावधि जीवन बीमा को दिवाली के उपहार के रूप में स्वीकार करने में सबसे बड़ी चुनौती शायद प्रीमियम नहीं, बल्कि बातचीत का तरीका है।

भारतीय परिवारों में ल्योहारों को शुभ अवसर माना जाता है। ऐसे समय मृत्यु, बीमारी या आर्थिक संकट की चर्चा कई लोगों को असहज कर सकती है। लेकिन बीमा की आवश्यकता का अर्थ किसी अनहोनी की कामना करना नहीं है। इसका उद्देश्य जीवन की अनिश्चितताओं से जुड़े संभावित आर्थिक जोखिम के लिए पहले से तैयारी करना है। इसलिए बातचीत की भाषा महत्वपूर्ण हो जाती है। ‘आर तुम्हें कुछ हो गया तो क्या होगा?’ कहने के बजाय इसे इस तरह कहा जा सकता है-‘तुम्हारे भविष्य और तुम्हारी आर्थिक जिम्मेदारियों को सुरक्षित रखने के लिए हमने यह व्यवस्था की है।’

यह बदलाव केवल शब्दों का नहीं है। इससे बीमा को डर के बजाय जिम्मेदारी और वित्तीय तैयारी के नज़रिए से देखने में मदद मिल सकती है।

क्या एक करोड़ रुपये की बीमा सुरक्षा पर्याप्त है? इस सवाल का एक समान उत्तर हर व्यक्ति के लिए नहीं हो सकता।

किसी व्यक्ति की आय, बकाया ऋण, परिवार के

आर्थिक सदस्य, बच्चों की शिक्षा, भविष्य की आर्थिक जिम्मेदारियाँ और पहले से मौजूद जीवन बीमा सुरक्षा को ध्यान में रखकर बीमा की आवश्यकता तय की जानी चाहिए।

इसलिए ‘हर व्यक्ति को अपनी वार्षिक आय का 2० या 4० गुना बीमा लेना चाहिए’ जैसी एक ही संख्या सभी लोगों पर लागू करना उचित नहीं होगा।

उदाहरण के लिए, सालाना 14 लाख रुपये कमाने वाले व्यक्ति के लिए एक करोड़ रुपये की बीमा सुरक्षा एक उपयोगी उदाहरण हो सकती है, लेकिन यह आवश्यक नहीं कि यही उसकी वास्तविक बीमा आवश्यकता हो।

असली सवाल-उपहार क्या है- सोना और सावधि जीवन बीमा एक-दूसरे के सीधे विकल्प नहीं हैं। सोना संपत्ति और परंपरा से जुड़ा है, जबकि सावधि जीवन बीमा आर्थिक सुरक्षा से।

इसलिए दिवाली पर किसी व्यक्ति को क्या देना चाहिए, इसका निर्णय केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि कौन-सी चीज अधिक महंगी है या भविष्य में किसकी कीमत कितनी बढ़ सकती है। यदि किसी युवा कमाने वाले व्यक्ति के पास पर्याप्त जीवन बीमा सुरक्षा नहीं है, उस पर परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियाँ हैं और उसकी बीमा आवश्यकता अभी पूरी नहीं हुई है, तो सावधि जीवन बीमा की व्यवस्था एक सार्थक वित्तीय उपहार हो सकती है।

वहीं, यदि किसी व्यक्ति के पास पहले से पर्याप्त जीवन बीमा सुरक्षा मौजूद है, तो सोना या कोई पारंपरिक उपहार भी अपनी जगह पूरी तरह सार्थक हो सकता है।

दिवाली का अर्थ रोशनी, समृद्धि और नई शुरुआत से है। वित्तीय सुरक्षा भी इसी समृद्धि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सोना हाथ में दिखाई देता है, बीमा की सुरक्षा दिखाई नहीं देती। लेकिन परिवार के लिए दोनों का अर्थ अलग हो सकता है। बदलती आर्थिक सोच का अगला चरण शायद यही है-उपहार केवल वह नहीं हो जिससे तन दो, बल्कि वह भी हो अपने वाले कोल की अनिश्चितता को कुछ कम कर सके।

अस्वीकरण- यह लेख सामान्य वित्तीय और बीमा जागरूकता के उद्देश्य से है। वास्तविक प्रीमियम, पात्रता, बीमा राशि, जोखिम जांच, बीमा अवधि, अपवर्जन, नामांकन, दावों से मिलने वाले लाभ और अन्य शर्तें संबंधित बीमा कंपनी के उत्पाद तथा पॉलिसी दस्तावेज पर निर्भर करती हैं। कर उपचार लागू कानून और करदता की व्यक्तिगत परिस्थितियों के अनुसार अलग हो सकता है। बीमा या वित्तीय निर्णय लेने से पहले संबंधित बीमा कंपनी तथा योग्य कर या वित्तीय विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, उज्जैन (म.प्र.) // नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना //						
क्रमांक: सम्पत्तिकर/2026/1146			उज्जैन, दिनांक :25/09/2026			
सर्व सम्बन्धितों को सूचित किया जाता है कि, मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्राक्धान अंतर्गत सम्पत्तिकर श्रो-न कागालय, नगर पालिक निगम उज्जैन में नामांकन हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुए है, जिनका विवरण निम्नानुसार है :						
श्रो-न क्र.	वाड क्र.	प्र.क्र.	सम्बन्धित सम्पत्ति का पूर्ण पता (जिसका नामांकन होना है)	सम्पत्ति स्वामी का नाम	आवेदक का नाम, जिराका नामांकन होना है	नामांकन का आधार
01	5	461	158/358 इन्दिरा नगर	ए.पी.हाउसिंग एवं अधो संरचना विकास मण्डल उज्जैन द्वारा रांपदा अधिकारी शुभम राठौर पिता पुरुषोत्तम	बाबुराग पिता पुतईलाल	विक्रय पत्र
01	9	462	2 गौतम मार्ग	रतनलाल राठौर पिता स्न. बापुलाल	सुर्यकांता राठौर पति रतनलाल	शपथ पत्र , मृत्यु प्रमाण पत्र
01	10	463	सर्वे क 804 का भाग तिलकेश्वर कालोनी	सुगन बाई पति बाबुलाल मालवीय	संगीता पति श्यामलाल	विक्रय पत्र
01	9	464	85 रविन्द्र नाथ टेंगोर मार्ग	इन्दिरा बाई पति शिद्वेश्वर	1 रायनारायण 2 जगदीश 3 दिनेश 4 सुमन 5 निर्मला पुत्री सिद्वेश्वर	शपथ पत्र , मृत्यु प्रमाण पत्र
01	5	465	78 इन्दिरा नगर	कविज शंकरलाल पिता जगन्नाथ गुप्ता	ओमप्रकाश गुप्ता पिता स्न. शंकर लाल	विक्रय पत्र , शपथ पत्र , मृत्यु प्रमाण पत्र
05	40	2086	भू.क्र.— सर्वे 165/1/2 भाग पंवासा मकसी रोड उज्जैन	राजेश धाकड़ पिता नारायण सिंह धाकड़ निवासी तात्याटोपे मार्ग	1 हीरामणी पति भगवानदास बैन्डवाल 2 जयन्त पिता भगवान दास निवासी देसाई नगर उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	2087	भू.क्र 151 तिरुपति कासा ग्रीन फेस 1 कालोनी उज्जैन	तिरुपति इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व नारायणदास जी परियानी निवासी महाश्वेता नगर	शिवनारायण पिता नागूलाल राणावत निवासी रतलाग	विक्रय पत्र
05	40	2088	भू.क्र.— 75 तिरुपति पॉम वैली फेस 2 कालोनी पंवासा उज्जैन	महेश पिता नारायणदास जी परियानी द्वारा करण पिता अशोक आहुजा निवासी कमला नेहरू	1 राजकुमार पिता कैलाशचन्द्र राणावत 2 नेहा पति राजकुमार राणावत निवासी नयापुरा उज्जैन	विक्रय पत्र
05	17	2089	भू.क्र— 106 प्रीतिनगर क्षिप्रा पानर लूम सहकारी रास्था उज्जैन	1 आनन्द पिता अमृतलाल लश्करी 2 निर्मला पति आनन्दकुमार निवासी नजरअली मार्ग	राखी पति अनिल खोडवाल निवासी लाला लाजपत राय मार्ग उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	2090	भू.क्र 74 तिरुपति कासा ग्रीन फेस 2 कालोनी उज्जैन	तिरुपति इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व नारायणदास जी परियानी निवासी महाश्वेता नगर	शशी पति एस के गोतम निवासी ग्वालियर	विक्रय पत्र
05	17	2091	भू.क्र.— 26 कैलाश एम्पायर पाण्ड्याखेडी एम आर रोड उज्जैन	रेखा पति गोपाल कुमावत निवासी गंगा नगर	1 राजेन्द्र पिता जयकिशन पगनानी 2 आरती पति राजेन्द्र निवासी आदित्य नगर नीलगंगा उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	2092	भू.क्र एस 08 आर के निवास उज्जैन	मेसर्स आर के डेवलपर्स उज्जैन तर्फे भागीदार राकेश पिता कन्हैयालाल जी अग्रवाल निवासी— 403 प्रीमियम ब्लॉक 5 शालीमार टाउनशिप एबी रोड इन्दौर	नन्दकिशोर गामी पिता आनन्दीलाल गामी निवासी पंवार्रा	विक्रय पत्र
05	40	2093	भू.क्र 184 तिरुपति कासा ग्रीन फेस 1 कालोनी उज्जैन	तिरुपति इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व नारायणदास जी परियानी निवासी महाश्वेता नगर	मूलचंद पिता कन्हैयालाल सैनी निवासी तराना	विक्रय पत्र
05	40	2094	भू.क्र.— 11 पूर्व भाग लोटस गोल्ड कालोनी पंवासा उज्जैन	संगीता बाई पति किशोरी लाल राठौर निवासी देवास	दीपक पिता प्रकाश निवासी तराना	विक्रय पत्र
05	40	2095	भू.क्र 26 तिरुपति कासा ग्रीन फेस 1 कालोनी उज्जैन	तिरुपति इन्फ्रा 01 गहेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व नारायणदास जी परियानी निवासी महाश्वेता नगर	रमेश्वर राजोरिया पिता रघुनाथ जी राजोरिया निवासी कायथा	विक्रय पत्र
05	40	2096	भू.क्र.— 10 ब्लॉक बी सर्वे 189/4/2/3/1/2 का भाग गयंक परिरार पंवासा उज्जैन	दीपा पति दीपक सिंह पंवार निवासी पंवासा	राजकुमारी पति गुकेश रातनकर निवासी पंवासा	विक्रय पत्र
05	38	2097	भू.क्र 10 मुंज मार्ग उज्जैन	अनन्तीलाल कन्हैयालाल पन्नालाल पुत्रगण रुपाजी धोबी निवासी मुंज मार्ग	कन्हैयालाल पिता रुपा जी धोबी निवासी मुंज मार्ग	डिक्की पत्र
05	38	2098	भू.क्र 10 मुंज मार्ग उज्जैन	अनन्तीलाल कन्हैयालाल पन्नालाल पुत्रगण रुपाजी धोबी निवासी मुंज मार्ग	मुकेश पिता अनिलाल निवासी मुंज मार्ग	डिक्की पत्र
05	41	2099	भू.क्र 143 गहमंगल सिटी निमनवासा उज्जैन	विजय पिता कन्हैयालाल वावडा निवासी मालीपुरा	राजेश पिता लक्ष्मी नारायण पाटीदार निवासी महामंगल सिटी उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	2100	भू.क्र.— सर्वे क 163/3 का भाग पंवासा उज्जैन	राधाबाई पति रणेश निवासी तराना	अनीता पति रंजय सिंह निवासी मुरेना	विक्रय पत्र
05	40	2101	भू.क्र. 33 लोटस गोल्ड कालोनी पंवार्रा उज्जैन	डॉ हरिप्रसाद पिता सवाई सिंह रोनानिया निवासी महाश्वेता नगर	सुनीता पति धरमराज राठौर निवासी शंकरपुर	विक्रय पत्र
05	40	2102	भू.क्र 167 सर्वे 752/1/1/2 752/1 आदि का भाग उज्जैन	मेसर्स आर के डेवलपर्स उज्जैन तर्फे भागीदार राकेश पिता कन्हैयालाल जी अग्रवाल निवासी 403 प्रीमियम ब्लॉक 5 शालीमार टाउनशिप एबी रोड इन्दौर	वर्षा पति देवेन्द्र सिंह गोहिल निवासी शाजापुर	विक्रय पत्र
05	40	2103	भू.क्र.— रुकान ईकाई क 01 गू क 174 परिघग भाग पूजा भवन महामंगल सिटी उज्जैन	मोहित पिता बलराम आहुजा निवासी फ्रीगंज	शुभि गोयल पिता राधेश्याम गोयल निवासी दानीगेट	विक्रय पत्र
05	40	2104	भू.क्र 145 का भाग पंवार्रा उज्जैन	गोदावरी बाई पिता बद्री लाल जी 2 सोमेश्वर 3 दिनेश 4 शैलेन्द्र निवासी मालीपुरा उज्जैन	मूलचंद पिता चम्पाराम निवासी बाडकुम्भेद उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	2105	भू.क्र.— 44 तिरुपति पॉम वैली फेस 2 कालोनी पंवासा उज्जैन	महेश पिता नारायणदास जी परियानी द्वारा करण पिता अशोक आहुजा निवासी कमला नेहरू	1 भागु प्रताप पिता श्रीराम पटेल 2 गरिमा पुत्री कृष्णकांत चौधरी निवासी बालाघाट	विक्रय पत्र
05	41	2106	भू.क्र.— 65 सर्वे क 400/1/1 का भाग बालाजी परिसर नीमनवासा उज्जैन	सुमित्रा पति जगदीश बागोलिया निवासी मालीपुरा	शीतल पति महेश शर्मा निवासी लक्ष्मी नगर	विक्रय पत्र
05	40	2107	भू.क्र 39 तिरुपति काराा ग्रीन फेस 1 कालोनी उज्जैन	रालोनी डोड पति गनोज डोड निवासी फाजलपुरा	रेखा पति गणेश व्यारा निवासी मायापुरी	विक्रय पत्र
05	40	2108	भू.क्र.— 124 तिरुपति पॉम वैली फेस 2 कालोनी पंवार्रा उज्जैन	महेश पिता नारायणदारा जी परियानी द्वारा करण पिता अशोक आहुजा निवासी कमला नेहरू	उत्तराव पिता अजय गोयल निवासी गायत्री नगर उज्जैन	विक्रय पत्र
05	18	2109	भू.क्र 50 मनी पार्क वे कालोनी आगर रोड उज्जैन	अमित शाह पिता अशोक कुमार शाह 2 रंजना पति अशोक कुमार शाह	1 अशोक कुमार पिता रामचंद्र सोलंकी 2 संतोष 3 अंशुल निवासी आर्य समाज मार्ग उज्जैन	विक्रय पत्र

				निवासी युवराज लायबरी की गली उज्जैन		
05	43	2110	भू.क्र सर्वे क 4147/3/1 लक्ष्मीनगर उज्जैन	दीपक कुमार पिता विजय शंकर जायरावाल निवासी सेठी नगर	1 अशोक कुमार पिता रामचंद जी सोलंकी 2 रांतोष 3 अंशुल 4 दिव्या 5 अंकित 6 रीना निवासी आर्य रागाज मार्ग उज्जैन	विक्रय पत्र
05	17	2111	भू.क्र 150 सर्वे क 1831 1834 1835 का भाग अमननगर प्रीतिनगर के पास उज्जैन	गोपालकृष्ण पिता पंडिता रामभूषणदास जी द्वारा नादरखान पिता इकबाल खान निवासी मिर्जावाडी	गोविन्द पिता रमेशचन्द्र जी परमार निवासी अमन नगर उज्जैन	विक्रय पत्र
05	41	2112	भू.क्र 45 सर्वे क 220/3/2 का भाग शिवसाई धाम कालोनी पाण्ड्याखेडी उज्जैन	शबाना खान पति फिरोज खान द्वारा अमिता पिता राजेन्द्र कुमार वर्मा निवासी गणेशपुरा उज्जैन	जितेन्द्र कुमार पिता मनोहर लाल जी निवासी देवास	विक्रय पत्र
05	17	2113	भू.क्र 17 सर्वे क 1688 एवं 1689 गाग प्रीति नगर उज्जैन	ममता पति मुकेश भिनीवाल निवासी शांतिनगर	ज्योति पति सुरेश प्रजापति निवासी बहादुरगंज उज्जैन	विक्रय पत्र
05	17	2114	भू.क्र.— 109 क्रिस्टल पार्क कालोनी उज्जैन	मेरारी फयुबरी डेलपरी द्वारा भागीदार 01 सैयद अस्द अली पिता सैयद आबिद अली 02 सैयद आशीर अली पिता सैयद हमिद अली निवासी 3 रंग प्रसाद मार्ग मार्ग खजुरवाली मस्जिद के पास उज्जैन	रवि जायसवाल पिता चौधमल निवासी फाजलपुरा उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	2115	भू.क्र. सर्वे क 184/1/1/3, 184/1/1/4, 184/1/2, 184/2/1/1/1, 184/1/2, 184/2/1/3, 184/2/2/1/4, 184/2/2, 185/1/1/3, 185/1/2 का भाग पंवासा उज्जैन	सुनीता पति राजेश कुमार शर्मा निवासी मुंज मार्ग	महेश परियानी पिता स्व नारायणदास जी परियानी निवासी महाश्वेता नगर उज्जैन	विक्रय पत्र/दायदर्शन
05	38	2116	भू.क्र.— 33 गणेशपुरा गकरी रोड उज्जैन	घासीराम पिता किशनसिंह निवासी कालिदारा मार्ग उज्जैन	रमेशचंद्र पिता घासीराम चौहान निवासी गणेशपुरा उज्जैन	शपथ पत्र/मृत्यु प्रमाण पत्र
05	41	728	भू.क्र. सर्वे क 4106/2/1 का भाग गोपालपुरा उज्जैन	सुनील पिता सत्यनारायण जी चौहान निवासी महाराणी लक्ष्मी बाई मार्ग उज्जैन	मोहन लाल पिता हीरसागर जी दीक्षित निवासी मुनिनगर उज्जैन	विक्रय पत्र
06	34	2315	भूमि/भूखण्ड 3460,3461, 3462 भाग जयसिंह पुरा	देवनारायण पिता शंकरलाल जी	जसोदाबाई पति पूनमचंद माली	विक्रय पत्र
06	34	2316	भूमि/भूखण्ड 8 व 9 जयसिंहपुरा	रूपसिंह पिता किशनजी मेकालिया	कंचनबाई पति स्व रूपसिंह, अम्बाराग माली, बाबूलाल, रतनलाल पिता स्व रूपसिंह मेकालिया दिनेश पिता मेरुरांह जी माली	शपथ पत्र/मृत्यु पत्र
06	34	2317	भूमि/भूखण्ड 50/1 जयसिंहपुरा	मेरुरांह पिता जवरचन्दजी, कुन्दनसिंह पिता मेरुसिंह जी		बटवारा पत्र
06	34	2318	भूमि/भूखण्ड 50/1 जयसिंहपुरा	मेरुसिंह पिता जवरचन्दजी, कुन्दनसिंह पिता मेरुसिंह जी	गणेश पिता मेरुसिंह जी माली	बटवारा पत्र
06	34	2319	भूमि/भूखण्ड 64 जयसिंहपुरा	अम्बेश गृह निर्माण	कंचनबाई पति हीरालाल जी चौधरी	विक्रय पत्र
06	47	2320	भूमि/भूखण्ड 46/1 सांथक नगर	विकारा पिता रमेश जैन	रिंकू सिंह पति कुलदीप सिंह	विक्रय पत्र
06	53	2321	भूमि/भूखण्ड ए 15/5/1 अलकनंदा नगर	अनुपमा पति समीर चौधरी, शीतल पति संदीप , लीना पति समीर अरोरा	सोनाली पति सुशील कुमार पंवार	विक्रय पत्र
06	51	2322	भूमि/भूखण्ड 114 ख्यागा प्रसाद मुखर्जी कामलेक्स	अवधूत काले पिता गल्हाराव काले	दीपक पिता स्व अवधूत , फाल्गुनी पिता दीपक काले	विक्रय पत्र
06	53	2323	भूमि/भूखण्ड 134 एल आई जी गहाशक्ति नगर	लोकेश सिंह पिता रणजीत सिंह रोंगर	माया पति राजेश वर्मा	विक्रय पत्र
06	53	2324	भूमि/भूखण्ड बी 8/6 अलकनंदा नगर	जगदीश चन्द्र पिता हीरालाल	ज्योति पति चंद्रपाल सिंह कुशवाह	विक्रय पत्र
06	53	2325	भूमि/भूखण्ड ए 25/14 त्रिवेणी विहार	आर्य उज्जैन विकारा प्राधिकरण	विमला पति बजरंग लाल जी पिता गिरीलाल चौहान	विक्रय पत्र
06	53	2326	भूमि/भूखण्ड बी 28 बसंत विहार	उज्जैन विकास प्राधिकरण	राजेन्द्र कुमार पिता हर्दूनाथ, श्रद्धा पति राजेन्द्र कुमार	विक्रय पत्र
06	36	2327	भूमि/भूखण्ड 48 विवेकानंद कालोनी	आजादकुमार पिता महावीरप्रसाद जी जैन	संजयकुमार पिता जानकीलाल जी कोठारी	विक्रय पत्र
06	49	2328	भूमि/भूखण्ड 305 मंगलम अपार्टमेंट	मेसर्स रामलानी बिल्डर्स	प्रियंका पति दिनेश वझे	विक्रय पत्र
06	48	2329	भूमि/भूखण्ड 72 इन्द्रालय हाय	ऐबन डेवलपरी	शाहीन बानो पति जाकिर हुसीन	विक्रय पत्र
06	48	2330	भूमि/भूखण्ड 24 स्वास्तिक नगर	संजय, पंकज पिता प्रेमनारायण श्रीवास्त	संजय श्रीवास्तव पिता स्व प्रेमनारायण श्रीवास्तव	विक्रय पत्र
06	48	2331	भूमि/भूखण्ड 07 तिरुपति प्राईड 30	मदेश पिता स्व नारायणदास जी	चेतना पति दिनेश सोनी	विक्रय पत्र
06	35	2332	भूमि/भूखण्ड 3591/1 अनुमान नाका	सुरेशचन्द्र पिता रतनलाल	कु लक्ष्मी पिता स्व सुरेशचन्द्र , आरती पति सुनील, मंजू पति अजित , संतोष, सुनील पिता स्व सुरेशचन्द्र	शपथ पत्र/मृत्यु पत्र
06	54	2333	भूमि/भूखण्ड 25 महालक्ष्मी एवेन्यु	मेरारी क्षिप्रा डेवलपरी	विमला पति बजरंगलाल चौहान	विक्रय पत्र
06	54	2334	भूमि/भूखण्ड 35 शिवविहार	योगेश पिता वासुदेव	सपना पति जीवन सिंह	विक्रय पत्र
06	54	2335	भूमि/भूखण्ड 63 का भाग शिवधाम कालोनी	रवि शंकर पिता राग दयाल सोनवाल	गुरकान लोधी पति गहनंद्र लोधी	विक्रय पत्र
06	48	2336	भूमि/भूखण्ड 385 महावीर बाग कालोनी	कल्पना व्यास पति राकेश पिता बाग कालोनी	सुलभा पति राम हिमें	विक्रय पत्र
06	48	2337	भूमि/भूखण्ड 37 इन्द्रालय हाय	आफताव एहमद पिता हाफिज गीर मोहम्मद	मोहम्मद तालिब पिता साबिर खान	विक्रय पत्र
06	54	2338	भूमि/भूखण्ड 168 तिरुपति रेसी.	तिरुपति कन्स्ट्रक्शन	दिनेश पिता अनंतराव जी वझे	विक्रय पत्र
06	54	2339	भूमि/भूखण्ड बी 3/364 आदर्श नगर	संजिन वर्मा पिता रतनलाल वर्मा	आर्जन धाकड़ पिता गारत धाकड़	विक्रय पत्र
06	54	2340	भूमि/भूखण्ड 03 उत्तरी भाग गणेश नगर	मदनलाल पिता बालचन्द्र परमार	विक्रम पिता गोवर्धन वल्लूजा	विक्रय पत्र
06	54	2341	भूमि/भूखण्ड 5 18 तिरुपति फारब्युन सिटी	नीरज पिता ईश्वर सिंह सोलंकी	नीलू उमठ पति श्यामासिंह उमठ	विक्रय पत्र
06	54	2342	भूमि/भूखण्ड ए 12 वलब एवेन्यु	मेरारी आनन्द गृह निर्माण	यश शर्मा पिता जितेन्द्र कुमार पिता भुनीलाल शर्मा	विक्रय पत्र
06	54	2343	भूमि/भूखण्ड इ 9 मलब एवेन्यु	मेसर्स आनन्द गृह निर्माण	शशि पति जितेन्द्र कुमार यश पिता जितेन्द्र कुमार शर्मा	विक्रय पत्र
06	54	2344	भूमि/भूखण्ड 29 श्रीनाथ एवेन्यु	तिरुपति स्टेट	योगिता पति दिवेश पिंपलगांवकर	विक्रय पत्र
06	54	2345	भूमि/भूखण्ड 5 16/15 क्षिप्रा विहार	अशोक कुमार पिता जगन्नाथप्रसाद	सुरेश पिता जगन्नाथ प्रजापति	विक्रय पत्र
06	54	2346	भूमि/भूखण्ड 229 आर के औसा	आर के डेवलपरी	ब्यारा मुनि पिता अलंगू प्रसाद	विक्रय पत्र
06	54	2347	भूमि/भूखण्ड 63 मारुति एवेन्यु	मेसर्स मारुति कन्स्ट्रक्शन	रागकन्या पति अंगेश कुमारिया	विक्रय पत्र
06	54	2348	भूमि/भूखण्ड 25 मारुति एवेन्यु	मेसर्स मारुति कन्स्ट्रक्शन	अनुराधा पति हरिओम	विक्रय पत्र
06	54	2349	भूमि/भूखण्ड 24 मारुति एवेन्यु	मेसर्स मारुति कन्स्ट्रक्शन	अनुराधा पति हरिओम	विक्रय पत्र
06	35	2350	भूमि/भूखण्ड 28/49 रावदर्शन नगर	लाखन पिता आशाराम जी शर्मा	मनीष शर्मा पिता गोकूलप्रसाद जी शर्मा	विक्रय पत्र

अतः उक्त नामांकन के संबंध में यदि किसी को आपत्ति हो तो नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के भीतर लिखित में मय अभिलेख/प्रमाण के साथ अपनी आपत्ति संबंधित श्रेणी के प्रभारी सहायक सम्पत्तिकर अधिकारी को प्रस्तुत करें, निम्न अवधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी।
नोट— उक्त नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना निगम की वेबसाईट <http://nagamigamujain.org/> पर भी देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त (सम्पत्तिकर)
नगर पालिक निगम, उज्जैन
उज्जैन, दिनांक :25/09/2026

150 साल पुरानी पोथियों में दर्ज हैं पूर्वजों के नाम, घर बैठे भी हो रहा तर्पण

60 साल बाद बना छह ग्रहों का संयोग, श्राद्ध पक्ष के पहले दिन सिद्धवट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़- ऑनलाइन तर्पण के लिए सोशल मीडिया से बुकिंग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्राद्ध पक्ष की शुरुआत शनिवार से होे गई। पहले दिन सिद्धवट घाट पर पितरों के तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। अगले 16 दिनों तक देशभर से लोग उज्जैन आकर अपने पितरों के निमित्त धार्मिक अनुष्ठान करेंगे। इस बार श्राद्ध पक्ष को लेकर विशेष धार्मिक संयोग भी बताया जा रहा है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार 1966 के बाद करीब 60 साल में पहली बार सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, बृहस्पति और शनि सहित छह ग्रहों का पुनरावृत्ति योग बना है। इसे धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

श्राद्ध पक्ष में सिद्धवट की एक और खास पहचान यहां मौजूद तीर्थ पुरोहितों की पुरानी पोथियां हैं। इन पोथियों में करीब 150 साल से अधिक समय से परिवारों की पीढ़ी-दर-पीढ़ी वंशावली दर्ज की जा रही है। श्रद्धालु अपना प्रदेश, शहर या गांव, गोत्र और जाति बताते हैं तो पुरोहित इन जानकारीयों के आधार पर परिवार का पुराना रिकॉर्ड और पूर्वजों के नाम

सेवा संकल्प पखवाड़ा के अंतर्गत एनएसएस इकाई ने नुककड़ नाटक के माध्यम से दिया विकसित भारत का संदेश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता के निर्देशन में सेवा संकल्प पखवाड़ा के अंतर्गत शनिवार को चामुंडा माता चौराहा पर नुकड़ नाटक का आयोजन किया गया।

नुकड़ नाटक के माध्यम से छात्राओं ने विकसित भारत की संकल्पना तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति आमजन को जागरूक किया।

नाटक के माध्यम से छात्राओं ने यह संदेश दिया कि विकसित भारत का निर्माण केवल शासन की योजनाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की जागरूकता, सहभागिता और जिम्मेदारी से भी संभव है। छात्राओं ने प्रभावशाली संवाद, अभिनय और प्रस्तुति के माध्यम से जनहितकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को इनके लाभ प्राप्त करने तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी मोनिका परमार एवं रूपाली झीनीवाल तथा डॉ. आनंद सिंदल और डॉ. विमल लोदवाल उपस्थित रहे। नुकड़ नाटक में छात्र आयुषी परमार, मनीषा राठौर, प्रथा लोधी, आरती विश्वकर्मा, निकिता सूर्यवंशी, देवयानी मालवीय एवं पंकि चौहान ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

92 प्रतिमाओं से सजेगा महाकाल लोक 35 पत्थर की तो 57 मेटल की

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल महालोक में अब 92 नई प्रतिमाओं को और स्थापित किया जाएगा। यहां 35 पत्थर और 57 मेटल की प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं।प्रतिमाओं को पुराणों में वर्णित स्वरूप और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आकार दिया जा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार भगवान के स्वरूप का स्केच पहले विशेषज्ञ समिति से मंजूर कराया जाता है, इसके बाद उसी के अनुरूप प्रतिमा का निर्माण होता है।

संभागायुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने विक्रम नगर मार्ग स्थित प्रतिमा निर्माण कार्यशाला पहुंचकर काम की प्रगति देखी। अधिकारियों ने प्रतिमा बना रहे कारीगरों से भी उनकी



उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयुष्मान भारत योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए उपचार में आर्थिक राहत के साथ स्वास्थ्य सुखा का मजबूत माध्यम बन रही है।

जिला आयुष्मान नोडल अधिकारी डॉ. मंजूषा पिप्पल द्वारा बताया गया कि इसका एक जीवंत उदाहरण सिविल अस्पताल नागदा में सामने आया है, जहां थैलेसीमिया से पीड़ित एक बच्ची को नियमित रूप से निःशुल्क ब्लड ट्रांसफ्यूजन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुसार नियमित अंतराल पर रक्त चढ़ाने की जरूरत होती है। लंबे समय तक चलने वाले इस उपचार का खर्च परिवार के लिए आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत बच्चों को सिविल अस्पताल नागदा में आवश्यक उपचार एवं निःशुल्क ब्लड ट्रांसफ्यूजन की सुविधा मिलने से परिवार को बड़ी आर्थिक राहत मिली है।

पहले उपचार के लिए अन्य अस्पतालों या मेडिकल कॉलेज जाने की चिंता रहती थी, लेकिन अब बच्चों को स्थानीय स्तर पर ही नियमित उपचार की सुविधा उपलब्ध हो रही है।

तलाश लेते हैं। कई मामलों में कुछ ही समय में पुरखों के नाम और परिवार के उज्जैन आने का पुराना विवरण मिल जाता है।

उज्जैन नहीं आ सकते तो घर बैठे कराएं तर्पण- श्राद्ध पक्ष में उज्जैन पहुंचना हर व्यक्ति के लिए संभव नहीं होता। ऐसे श्रद्धालुओं के लिए तीर्थ पुरोहितों ने ऑनलाइन तर्पण की सुविधा भी शुरू की है। सोशल मीडिया के माध्यम से श्रद्धालु घर बैठे पूजा और तर्पण की बुकिंग करा रहे हैं। इसके बाद सिद्धवट घाट से पुरोहित ऑनलाइन मंत्रोच्चार और पूजन कराते हैं, जबकि श्रद्धालु अपने घर पर बैठकर पूर्वजों के निमित्त पूजा करते हैं। दान-दक्षिणा भी ऑनलाइन जमा कराने की व्यवस्था है।

इस व्यवस्था के कारण दूसरे शहरों और राज्यों में रहने वाले लोग भी उज्जैन के सिद्धवट परंपरा से जुड़कर श्राद्ध और तर्पण करा पा रहे हैं। पुरोहितों के अनुसार ऑनलाइन तर्पण में भी जजमान से परिवार, गोत्र और पितरों से जुड़ी आवश्यक जानकारी लेकर विधि पूरी कराई जाती है।

टंकी चौराहा से तेलीवाड़ा तक 18 मीटर चौड़ी होगी सड़क

व्यापारियों ने मांगा दिवाली तक समय- 150-150 मीटर के टुकड़ों में काम का सुझाव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ से पहले शहर की सड़कों के चौड़ीकरण की कवायद अब टंकी चौराहा से तेलीवाड़ा की ओर बढ़ने वाली है। नगर निगम मिर्जा नईम बेग मार्ग को 18 मीटर चौड़ा करने की तैयारी में है। सड़क की जद में दोनों तरफ के कई मकान और दुकानें 3 से 5 फीट तक आ रही हैं।

चौड़ीकरण का काम शुरू होने से पहले क्षेत्र के व्यापारियों ने सिंहस्थ मेला प्राधिकरण अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल से मुलाकात कर दिवाली तक समय देने की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि मिर्जा नईम बेग मार्ग राजसी सवारी के मार्ग में शामिल है। ढाबा रोड



से टंकी चौराहा तक चौड़ीकरण का काम पहले ही हो चुका है। अब टंकी चौराहा से मिर्जा नईम बेग मार्ग होते हुए तेलीवाड़ा चौराहे तक सड़क को चौड़ा किया जाना है। यह पूरा इलाका व्यावसायिक क्षेत्र है। यहां साड़ी, टाइल्स, इलेक्ट्रॉनिक सामान और रेडीमेड कपड़ों की

परिवार की वंशावली वाली पोथी तलाशकर पूर्वजों के नाम बताते हैं। यही वजह है कि श्राद्ध पक्ष के दौरान इन पोथियों को देखने और अपनी वंश परंपरा जानने में भी श्रद्धालुओं की रुचि रहती है।

पितरों की मुक्ति से जुड़ा है सिद्धवट- उज्जैन महाकाल की नगरी होने के साथ पितरों के तर्पण और श्राद्ध के लिए भी प्रसिद्ध है।

सिद्धवट क्षेत्र को प्राचीन समय से पितरों की मुक्ति और श्राद्ध कर्म से जोड़ा जाता है। यहां श्रद्धालु तर्पण-पिंडदान करने के साथ सिद्धवट मंदिर में प्राचीन वटवृक्ष का पूजन भी करते हैं। श्राद्ध पक्ष के दौरान सिद्धवट, रामघाट, गया कोठा सहित शहर के अन्य स्थानों पर भी धार्मिक अनुष्ठान होते हैं।

400 से ज्यादा पंडित करा रहे पूजन- श्राद्ध पक्ष के दौरान उज्जैन में बड़ी संख्या में तीर्थ पुरोहित और पंडित पूजन-अनुष्ठान कराते हैं। करीब 12 प्रमुख

पंडों द्वारा तर्पण, विष्णु पूजा, देव पूजा, ऋषि, मनुष्य और पितृ तर्पण सहित विभिन्न विधियां कराई जाती हैं। इसके अलावा सिद्धवट घाट, रामघाट, गया कोठा और अन्य स्थानों पर 400 से अधिक पंडित श्रद्धालुओं को पूजन कराते हैं। यहां संपत्ति, संतति-संतान और सद्गति सहित अलग-अलग धार्मिक संकल्पों के लिए श्राद्ध और तर्पण कराया जाता है।

पुराने बही-खातों को लेकर पुरोहितों का दावा- तीर्थ पुरोहितों का कहना है कि पोथियों में दर्ज वंशावली केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं रही है। पुराने बही-खातों में दर्ज परिवार की जानकारी का उपयोग संपत्ति संबंधी विवादों में भी होने का दावा किया जाता है। पुरोहितों के अनुसार, भाई-भाई के बीच जायदाद से जुड़े विवादों में इन रिकॉर्ड को अदालत के समक्ष भी प्रस्तुत किया गया और इनके आधार पर फैसले होने के मामले सामने आए हैं। हालांकि ऐसे मामलों में किसी रिकार्ड की कानूनी स्वीकार्यता संबंधित न्यायालय और मामले के साक्ष्यों पर निर्भर करती है।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

श्राद्ध पक्ष की शुरुआत शनिवार से होे गई। पहले दिन सिद्धवट घाट पर पितरों के तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। अगले 16 दिनों तक देशभर से लोग उज्जैन आकर अपने पितरों के निमित्त धार्मिक अनुष्ठान करेंगे। इस बार श्राद्ध पक्ष को लेकर विशेष धार्मिक संयोग भी बताया जा रहा है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार 1966 के बाद करीब 60 साल में पहली बार सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, बृहस्पति और शनि सहित छह ग्रहों का पुनरावृत्ति योग बना है। इसे धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

श्राद्ध पक्ष में सिद्धवट की एक और खास पहचान यहां मौजूद तीर्थ पुरोहितों की पुरानी पोथियां हैं। इन पोथियों में करीब 150 साल से अधिक समय से परिवारों की पीढ़ी-दर-पीढ़ी वंशावली दर्ज की जा रही है। श्रद्धालु अपना प्रदेश, शहर या गांव, गोत्र और जाति बताते हैं तो पुरोहित इन जानकारीयों के आधार पर परिवार का पुराना रिकॉर्ड और पूर्वजों के नाम

गणेश विसर्जन के बाद तालाब में उतरा युवक, तैरते-तैरते डूबा

मोबाइल में कैद हुआ आखिरी सफर- लिव-इन पार्टनर किनारे से बनाती रही वीडियो- एसडीईआरएफ ने निकाला शव



उतर गया- लिव-इन पार्टनर के मुताबिक गोलू अपने दोस्त अनमोल और उसके साथ उंडासा तालाब पर गणेश प्रतिमा विसर्जित करने पहुंचा था। प्रतिमा विसर्जन के बाद दोस्त अनमोल वहां से चला गया। इसके बाद गोलू ने महिला मित्र से कहा कि उसे तैरना आता है और वह तालाब में नहकाकर आता है। इतना कहकर वह पानी में उतर गया। महिला मित्र किनारे पर खड़ी होकर मोबाइल से उसका वीडियो बनाने लगी। वीडियो में गोलू तैरते हुए तालाब के बीच स्थित

एक टापू तक पहुंचता नजर आ रहा है।

टापू से कूदा... फिर एक ही जगह मारता रहा हाथ-पैर- वीडियो में गोलू टापू पर कुछ देर बैठने के बाद दोबारा पानी में छलांग लगाता दिखाई देता है। किनारे से महिला मित्र उसे वापस आने के लिए कहती है। उसने आवाज लगाकर कहा कि उसका वीडियो बन रहा है, अब वापस आ जाओ। इसके बाद गोलू पानी में आगे बढ़ने की कोशिश करता नजर आता है, लेकिन आगे

जाने के बजाय एक ही जगह हाथ-पैर मारता रहता है। महिला मित्र ने उसे आगे बढ़ने के लिए भी कहा। इसके बावजूद वह उसी जगह पानी में छटपटाता रहा। कुछ ही देर में उसका सिर पानी के नीचे चला गया और वह दिखाई देना बंद हो गया।

ओझल होते ही मची चीख-पुकार- गोलू के काफी देर तक दिखाई नहीं देने पर महिला मित्र को अनहोनी का अहसास हुआ। उसने तालाब किनारे चीख-पुकार मचाकर आसपास

सिंहस्थ 2028 में 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ 2028 विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है। यह हमारी आध्यात्मिक चेतना, भारतीय संस्कृति और वैश्विक आस्था का विराट पर्व है। इसके भव्य एवं दिव्य आयोजन के लिए बड़ी संख्या में लोगों को पूरी क्षमता के साथ तैयार होना होगा। यह हम सभी का दायित्व है कि सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो।मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवास में भारत स्काउट एवं गाइड के पदाधिकारियों, राज्य के समस्त शिक्षा अधिकारियों तथा आ.जा.का.वि. के सहयोग आयुक्तों के साथ सिंहस्थ सेवा कार्य-2028 के संदर्भ में आयोजित विशेष संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान सिंहस्थ मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल ने सिंहस्थ से संबंधित जानकारी दी।मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ में भीड़ नियंत्रण सहित विभिन्न व्यवस्थाओं में जिम्मेदारी निभाने वाले स्काउट एवं गाइड के मास्टर ट्रेनर्स, सेवादूतों एवं स्वयंसेवकों के विधिवत प्रशिक्षण के लिए भोपाल में अत्याधुनिक ट्रेनिंग सेंटर बनाया जाएगा। ट्रेनिंग सेंटर बनने और प्रशिक्षण शुरू होने तक आवश्यकता के अनुसार सांदीपनि विद्यालय बनने से रिक हूए भवनों एवं परिसरों का उपयोग किया जाएगा।

15 हजार से अधिक स्वयंसेवक संभालेंगे मोर्चा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सेवा भारत स्काउट एवं गाइड का मुल मंत्र है और 'तैयार रहो' इसका ध्येय वाक्य है। स्काउट एवं गाइड ने अपने कार्यों के आधार पर दुनिया में अलग पहचान बनाई है।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयुष्मान भारत योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए उपचार में आर्थिक राहत के साथ स्वास्थ्य सुखा का मजबूत माध्यम बन रही है।

जिला आयुष्मान नोडल अधिकारी डॉ. मंजूषा पिप्पल द्वारा बताया गया कि इसका एक जीवंत उदाहरण सिविल अस्पताल नागदा में सामने आया है, जहां थैलेसीमिया से पीड़ित एक बच्ची को नियमित रूप से निःशुल्क ब्लड ट्रांसफ्यूजन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता के मार्गदर्शन में तथा सेवा संकल्प अभियान की नोडल अधिकारी अंजना बुदेला के निर्देशन में सेवा संकल्प पखवाड़ा के अंतर्गत चामुंडा माता चौराहा पर नुकड़ नाटक का आयोजन किया गया।
नुकड़ नाटक के माध्यम से छात्राओं ने विकसित भारत की संकल्पना तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति आमजन को जागरूक किया। प्रभावशाली संवाद एवं अभिनय के माध्यम से छात्राओं ने बताया कि विकसित भारत का

निर्माण केवल शासन के प्रयासों से नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जागरूकता, सहभागिता और जिम्मेदारी से संभव है। साथ ही शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने और उनके प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया।
कार्यक्रम के दौरान एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी मोनिका परमार एवं रूपाली झीनीवाल तथा डॉ. आनंद सिंदल और डॉ. विमल लोदवाल उपस्थित रहे। नुकड़ नाटक में छात्रा आयुषी परमार, मनीषा राठौर, प्रथा लोधी, आरती विश्वकर्मा, निकिता सूर्यवंशी, देवयानी मालवीय एवं पंकि चौहान ने प्रभावी प्रस्तुति दी।
चामुंडा माता चौराहे पर प्रस्तुत नुकड़ नाटक को आमजन ने उत्सुकता एवं रुचि के साथ देखा तथा छात्राओं की जागरूकतापरक प्रस्तुति की सराहना की। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करते हुए उन्हें विकसित भारत के संकल्प से जोड़ना रहा।



प्रथम चरण 26 से 28 सितम्बर तक परियोजना बड़नगर, खाचरोद एवं घट्टिया में, द्वितीय चरण 29

दिवसीय गतिविधियाँ निर्धारित हैं। प्रथम दिवस पर पौध रोपण, मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन, स्वच्छता,

बाल पोषण एवं स्वास्थ्य जागरूकता के साथ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं आशा का सम्मान शामिल है। द्वितीय दिवस पर गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण तथा बच्चों के वजन, ऊँचाई एवं पोषण स्थिति की जाँच की जाएगी। तृतीय दिवस पर सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी, महिला सशक्तिकरण, सफलता की कहानियाँ तथा स्वास्थ्य-पोषण संवाद सहित विभिन्न सकारात्मक गतिविधियों का आयोजन होगा।

अभियान के प्रथम दिन शनिवार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सहित 36

जिला स्तरीय अधिकारियों ने खाचरोद विकासखंड की आंगनबाड़ियों का भ्रमण कर आयोजन का जायजा लिया तथा जनप्रतिनिधियों के आतिथ्य में कार्यक्रम का शुभारंभ देवा।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने सेवा संकल्प अभियान के महत्वपूर्ण अंग आंगन मिलन सेवा में व्यापक सहभागिता हेतु समस्त जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों एवं जनसामान्य से अपील की है। उन्होंने सभी से आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुँचकर आयोजन को सफल बनाने का आग्रह करते हुए सहयोग एवं समन्वय के प्रति आभार व्यक्त किया है।